E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

12th ANNIVERSARY

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 35 | प्रयागराज, शनिवार 11 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

भारत को भर-भरकर यूरेनियम देगा रूस का पड़ोसी देश, ऐतिहासिक परमाणु समझौते को मंजूरी, सदमे में चीन

अस्ताना। दुनिया की सबसे बड़ी यूरेनियम सप्लाई करने वाली कजाकिस्तान की कंपनी Kazatomprom भारत को अगले कई वर्षों तक न्यूक्लियर एनर्जी के लिए यूरेनियन सप्लाई के लिए तैयार हो गई है। कंपनी के ज्यादातर शेयरधारकों ने भारत के परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण के साथ यूरेनियम सप्लाई के एक बड़े और लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दे दी है। इस समझौते के बाद भारत के परमाणु प्लांटों में निर्बाध यूरेनियम की सप्लाई हो सकेगी और इससे एनर्जी उत्पादन को मजबूती मिलेगी। नेशनल एटॉमिक कंपनी Kazatomprom JSC GDR RegS ने इस बाबत एक आधिकारिक घोषणा जारी कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत को यूरेनियम बेचने को लेकर Kazatomprom के शेयरधारकों के बीच एक असाधारण आम बैठक की गई थी। जिसमें एक विशालकाय सौदे को मंजूरी दी गई है। इस सौदे के तहत भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत आने वाले 'खरीद और भंडार निदेशालय' को प्राकृतिक यूरेनियम सांद्रण (con-centrates) बेचने के लिए एक लंबे समय का अनुबंध किया गया है। कजाकिस्तान की नेशनल एटॉमिक

कंपनी की तरफ से किया गया ये समझौता भारत की परमाणु ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस डील के मुताबिक-कंपनी की एक असाधारण आम बैठक में 92.9फीसदी वोटों के साथ इस सौदे को मंजूरी दी गई है। यह सौदा इतना बड़ा है कि इसका मूल्य Kazatomprom की कुल संपत्ति के 50फीसदी से ज्यादा है। कजाकिस्तान के कानून के मुताबिक इतने बड़े सौदे के लिए शेयरधारकों की मंजूरी अनिवार्य होती है। यह समझौता भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत आने वाले 'डायरेक्टरेट ऑफ परचेज एंड स्टोर्स' के साथ किया गया है। आपको बता दें कि कजाकिस्तान के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम भंडार है (जो वैश्विक कुल का लगभग 14फीसदी है या अनुमान के आधार पर लगभग 700,000-969,200 टन है) और यह 2009 से दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक रहा है, जो दुनिया की कुल आपूर्ति में 40फीसदी से अधिक का योगदान देता है। खनन मुख्य रूप से शू-सारिसू और सिरदरिया क्षेत्रों में केंद्रित है, जहां लागत-प्रभावी 'इन-सीटू रिकवरी' विधियों का उपयोग किया जाता है। इसका प्रबंधन राष्ट्रीय कंपनी 'Kazatomprom ' द्वारा किया जाता है।

भारत के लिए यूरेनियम समझौते का मतलब क्या है? भारत अपने परमाणु रिएक्टरों के लिए ईंधन के रूप में यूरेनियम के आयात पर निर्भर है। कजाकिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक है और यह सौदा भारत को अगले कई वर्षों तक ईंधन की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। भारत और कजाकिस्तान के बीच पहले भी यूरेनियम आपूर्ति के समझौते रहे हैं (जैसे 2015-2019 के दौरान 5,000 टन की आपूर्ति) का समझौता। यह नया सौदा उसी रणनीतिक साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाता है।

Kazatomprom दुनिया में यूरेनियम का सबसे बड़ा उत्पादक है और 2025 में वैश्विक प्राथमिक यूरेनियम उत्पादन का लगभग 20फीसदी हिस्सा इसी का होगा। यह कजाख राष्ट्रीय परमाणु कंपनी 27 भंडारों का संचालन करती है जिन्हें 14 खनन संपत्तियों में बांटा गया है।

ये सभी कजाकिस्तान में स्थित हैं और इनमें 'इन-सीटू रिकवरी' तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। यह कंपनी एशिया, यूरोप और अमेरिका भर में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालकों को विभिन्न प्रकार के अनुबंधों के तहत यूरेनियम की आपूर्ति करती है।

हालांकि इस समझौते के तहत आपूर्ति किए जाने वाले यूरेनियम की सटीक मात्रा, कीमत और डिलीवरी शेड्यूल को फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है। भारतीय विभाग ने व्यावसायिक संवेदनशीलता के कारण इन शर्तों को गोपनीय रखने का अनुरोध किया था।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस बड़े सौदे से वैश्विक बाजार में यूरेनियम की उपलब्धता कम हो सकती है जिससे कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है क्योंकि उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा सीधे भारत को आवंटित कर दिया गया है। इसीलिए इसे चीन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

इजराइल कैंसर की तरह है,इस देश को बनाने वाले नरक में जलें; इसने गाजा-ईरान और लेबनान में नरसंहार किया-पाकिस्तानी रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता से पहले इजराइल और

पाकिस्तान के बीच विवाद बढ़ गया है। इसकी शुरुआत तब हुई जब पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इजराइल पर लेबनान में नरसंहार करने का आरोप लगाया। आसिफ ने कहा-'इजराइल बुराई का प्रतीक है और मानवता के लिए अभिशाप है। इस्लामाबाद में शांति वार्ता चल रही है, वहीं लेबनान में नरसंहार हो रहा है। इजराइल निर्दोषों को मार रहा है, पहले गाजा में, फिर ईरान में और अब लेबनान में। मेरी दुआ है कि जिन लोगों ने इस देश को बनाया वे नरक में जलें।' इजराइल के प्रधानमंत्री ऑफिस ने आसिफ के बयान को आपत्तिजनक बताया। उन्होंने कहा कि यह बयान इजराइल को खत्म करने की मांग जैसा है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, खासकर उस देश से जो खुद को शांति वार्ता का मध्यस्थ बता रहा हो। दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच शनिवार को सीजफायर को लेकर अहम बातचीत होने वाली है। रॉयटर्स के मुताबिक यह वार्ता पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होगी। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत शनिवार को इस्लामाबाद के आलीशान होटल सेरेना में होगी। इसके लिए अमेरिकी डेलिगेशन आज यानी शुक्रवार को इस्लामाबाद पहुंचेगा, जबकि ईरानी डेलिगेशन पहले ही पहुंच चुका है। इस बैठक में अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस टीम का नेतृत्व करेंगे। ईरानी मीडिया के अनुसार संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। अमेरिका-ईरान के बीच इन मुद्दों पर बातचीत होगी ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम- अमेरिका का कहना है कि ईरान में कोई संवर्धन नहीं होगा। ईरान को अपना सारा हाई-लीवल इनरिच्ड यूरेनियम बाहर करना होगा और न्यूक्लियर फैसिलिटीज बंद या सीमित करनी होंगी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज- दुनिया का बहुत सारा तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। ईरान अभी भी इसका नियंत्रण रखना चाहता है और टोल (फीस) लेने की बात कर रहा है। वहीं, अमेरिका चाहता है कि रास्ता पूरी तरह खुला और सुरक्षित हो, बिना किसी रुकावट या फीस के। बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम- अमेरिका ईरान की लंबी दूरी की मिसाइलों पर रोक लगाना चाहता है। सैंक्शंस हटाना- ईरान चाहता है कि सभी अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध तुरंत हटा दिए जाएं, फ्रोजन एसेट्स वापस मिलें और मुआवजा भी मिले।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा होर्मुज स्ट्रेट में टोल वसूलने पर अड़े-तनाव

तेहरान। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने संकेत दिए हैं कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट पर सख्ती को और बढ़ाएगा। मोजतबा खामेनेई ने ऐसे बयान जारी किए हैं जिनसे साफ संकेत मिलता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन में अब सिर्फ नियंत्रण रखने के बजाय ईरान उसको लेकर सोची समझी रणनीति बना रहा है और अपने कंट्रोल को अगले फेज में ले जा रहा है। ईरान की तरफ से सख्त बयान उस वक्त जारी किए जा रहे हैं जब शनिवार को पाकिस्तान में युद्धविराम के बाद ईरान और अमेरिकी अधिकारियों की बात होने की संभावना है। ईरान के सरकारी टेलीविजन पर पढ़े गये एक बयान में मोजतबा ने कहा 'ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन में एक नए चरण में प्रवेश करेगा।' आपको बता दें कि होर्मुज स्ट्रेट कितना महत्वपूर्ण है वो 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद पूरी दुनिया, खासकर एशियाई देशों का काफी अच्छे से पता चल गया है। ईरान अब उस डर को भुनाने की कोशिश कर रहा है। वो होर्मुज को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। मोजतबा खामेनेई ने ईरानी टीवी पर एक बयान में कहा 'ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन को एक नए चरण में ले जाएगा।' माना जा रहा है कि उनके कहने का मतलब ये हो सकता है कि ईरान शायद होर्मुज को और व्यवस्थित तरीके से ज्यादा प्रतिबंधात्मक बनाए। मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने के बाद से इस जलडमरूमध्य को पहले ही काफी मुश्किलों सामना करना पड़ रहा है। खामेनेई के बयान में आगे कहा गया 'ईरान युद्ध नहीं चाहता लेकिन अपने अधिकारों को भी नहीं छोड़ेगा और सभी प्रतिरोध मोर्चों को एक एकीकृत इकाई मानता है।' इसके अलावा उन्होंने इस बात को दोहराया कि 'तेहरान इस युद्ध का निश्चित विजेता है।' इसके अलावा मोजतबा ने यह साफ कर दिया कि जवाबी कार्रवाई ईरान की स्थिति का मुख्य बिंदु बनी हुई है और उन्होंने अमेरिका के सहयोगी देशों को हुए नुकसान से इसे जोड़ा। उन्होंने कहा 'ईरान अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और अपने शहीदों का बदला लेने के लिए दृढ़ है।' इसके अलावा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेहरान इस संघर्ष को रणनीतिक और प्रतीकात्मक, दोनों ही नजरियों से देखता है। आपको बता दें कि ईरान में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के 40 दिन पूरे होने पर शोक मनाया जा रहा है।

रु10,000 से ज्यादा के ऑनलाइन-पे करने पर 1 घंटे का होल्ड,गलत ट्रांजैक्शन कैंसिल करने का मौका मिलेगा

मुंबई। जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका रु10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन तुरंत न

हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए आरबीआई ने ये प्रस्ताव रखा है। आरबीआई का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता। आरबीआई के प्रस्ताव से जुड़ी 3 अन्य बड़ी बातें-1. सीनियर सिटीजंस के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' सुविधा,70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक 'ट्रस्टेड पर्सन' (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा।2. भरोसेमंद को 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकेंगे-अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे अपनी 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकते हैं। व्हाइटलिस्टेड लोगों को पेमेंट करने पर यह 1 घंटे की देरी लागू नहीं होगी, जिससे नियमित लेन-देन में परेशानी नहीं आएगी। 3. डिजिटल पेमेंट बंद करने के लिए 'किल स्विच'-आरबीआई ने एक 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजेक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा। पिछले साल देश में डिजिटल फ्रॉड के कारण होने वाला नुकसान 22 हजार करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। आरबीआई के अनुसार 10 हजार रुपए से ऊपर के ट्रांजेक्शन कुल फ्रॉड केस का सिर्फ 45फीसदी हैं, लेकिन कुल फ्रॉड वैल्यू में इनकी हिस्सेदारी 98.5फीसदी है। इसी को ध्यान में रखते हुए 10 हजार की लिमिट तय की गई है।कब तक लागू हो सकता है नियम? आरबीआई फिलहाल बैंकों और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर इसके तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर रहा है। इसमें मुख्य चुनौती यह है कि डिजिटल पेमेंट की 'रफ्तार' और 'सुरक्षा' के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले कुछ महीनों में इसके लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी की जा सकती है और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जाएगा। एक्सपर्ट व्यूः सुरक्षा और स्पीड के बीच संतुलन-आरबीआई ने माना है कि डिजिटल पेमेंट का मूल सिद्धांत 'इंस्टेंट' यानी तुरंत पेमेंट है। अनिवार्य देरी से यूजर्स को कुछ असुविधा हो सकती है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से यह जरूरी है। आरबीआई ने इस चर्चा पत्र पर 8 मई तक आम जनता और स्टेकहोल्डर्स से सुझाव मांगे हैं।

इजरायल भड़का तो पाक ने डिलीट की अपनी पोस्ट-जानें क्या था उसमें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इजरायल को निशाना बनाते हुए की गई सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दी है। आसिफ ने इस पोस्ट में इजरायल को दुष्ट और मानवता के लिए अभिशाप बताते हुए कैंसर कहा था। ख्वाजा आसिफ की एक्स पर की गई इस पोस्ट पर इजरायल ने कड़ी आपत्ति जताई थी। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसे नाकाबिले बर्दाश्त कहा था। वहीं, इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आसिफ की टिप्पणी इजरायल को खत्म करने का आह्वान है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर पोस्ट में इजरायल पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने लिखा था कि 'जब इस्लामाबाद में शांति वार्ता चल रही है, तब लेबनान में नरसंहार किया जा रहा है।' उन्होंने आगे लिखा कि इजरायल बेगुनाह लोगों की हत्या

कर रहा है। 'पहले गाजा, फिर ईरान और अब लेबनान- बिना किसी रोक-टोक के खून-खराबा जारी है।' आसिफ इतने पर ही नहीं रुके उन्होंने इजरायल को कैंसर बता डाला। ख्वाजा आसिफ, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री-'मुझे उम्मीद है और मैं प्रार्थना करता हूं कि जिन लोगों ने यूरोपीय यहूदियों से छुटकारा पाने के लिए फिलिस्तीनी जमीन पर इस कैंसर जैसे देश को बनाया, वे नरक में जलें।' आसिफ की पोस्ट पर इजरायल की तरफ से कड़ी प्रतिक्रिया आई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन टिप्पणियों बेहद आपत्तिजनक बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की। नेतन्याहू के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि यह ऐसा बयान नहीं है जिसे किसी भी सरकार से बर्दाश्त किया जा सके। बेंजामिन नेतन्याहू, इजरायली प्रधानमंत्री-'पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इजरायल को मिटाने का आह्वान बेहद आपत्तिजनक है। यह ऐसा बयान नहीं है जिसे किसी भी सरकार से बर्दाश्त किया जा सके।खासकर ऐसी सरकार से तो बिल्कुल नहीं, जो खुद को शांति के लिए एक निष्पक्ष मध्यस्थ होने का दावा करती हो।'

मोहम्मद यूनुस के जाते ही ढाका-दिल्ली की दोस्ती पटरी पर, भारत के 200 रेल कोच से दौड़ेंगी बांग्लादेश की ट्रेनें

ढाका। भारत विरोधी मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश की सत्ता से हटते ही ढाका और नई दिल्ली के रिश्ते एक बार फिर से ऊंचाई की तरफ बढ़ रहे हैं। अब भारत की मदद से बांग्लादेश अपने रेल कोच बेड़े का विस्तार करने जा रहा है। बांग्लादेश के रेल मंत्री शेख रबीउल आलम ने संसद को बताया कि उनका देश भारत से 200 ब्रॉड-गेज रेलवे कोच आयात करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश को इसी साल कोच मिलने शुरू हो जाएंगे। डिलीवरी के दिसम्बर 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। रेल मंत्री ने दी जानकारी-रेल मंत्री आलम ने यह जानकारी बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश के सांसदों इलियास मोल्ला और रुहुल अमीन के पूछे गए सवालों के जवाब में दी। बांग्लादेश के मीडिया आउटलेट डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री ने बताया कि आने वाले समय में देश 260 ब्रॉड गेज यात्री कोच, 46 ब्रॉड गेज लोकोमोटिव और 50 मीटर-गेज लोकोमोटिव खरीदने की भी योजना

बना रहा है। बांग्लादेशी मंत्री ने यह जानकारी ऐसे समय में दी है, जब तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशलिस्ट पार्टी (बीपीएन) की सरकार आने के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्ते तेजी से पटरी पर लौट रहे हैं। इसी सप्ताह बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान नई दिल्ली के दौरे पर पहुंचे। यह अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार को हटाए जाने के बाद पहला मंत्री स्तर का दौरा था। नई दिल्ली में खलीलुर रहमान ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। बीबीसी बांग्ला ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि खलीलुर रहमान और जयशंकर की एक ही फ्लाइट से मारीशस जाने की योजना है। तारिक रहमान की सरकार में बांग्लादेश और भारत के बीच रक्षा संबंधों में भी सुधार हुआ है। बुधवार को ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने तारिक रहमान के रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) एकेएम शमशुल इस्लाम के साथ एक अहम बैठक की। बांग्लादेशी सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर ने बताया कि यह बैठक ढाका छावनी में पीएम के रक्षा सलाहकार के कार्यालय में हुई। भारत की तरफ से प्रणय वर्मा के नेतृत्व में चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इसमें शामिल हुआ था।

असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91फीसदी वोटिंग,पुडुचेरी में करीब 90फीसदी मतदान,केरलम में 1987 के बाद दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग

गुवाहाटी। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए बंपर वोटिंग हुई। 1950 में असम के बनने के बाद से राज्य में सबसे ज्यादा 85.91फीसदी वोटिंग हुई। इससे पहले 2016 में 84.7फीसदी मतदान हुआ था। वहीं, पुडुचेरी में आजादी के बाद सबसे ज्यादा 89.87फीसदी मतदान हुआ। इससे पहले का रिकॉर्ड 85फीसदी (2006, 2011 और 2016 विधानसभा चुनाव) का था। केरलम में 1987 के बाद यानी पिछले 39 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.27फीसदी वोट डाले गए। 1987 में रिकॉर्ड 80.54फीसदी मतदान हुआ था।आधुनिक समाचार में खबर लिखे जाने तक वोटिंग परसेंट के आंकड़े 10 अप्रैल की सुबह 8.00 बजे तक के हैं। चुनाव आयोग का फाइनल आंकड़े जारी करना बाकी है। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवारों का भाग्य का फैसला होगा। 35 जिलों में से 26 से ज्यादा जिलों में 80फीसदी से ऊपर वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा 95.56फीसदी मतदान साउथ सलमारा मनकचर जिले में हुआ। सबसे कम 75.25फीसदी वोटिंग वेस्ट कार्बी आंगलॉन्ग में हुई। सीएम हिमंता बोले- असमिया समाज वोटर की वजह से बढ़ा मतदान-असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम समाज का 95 से 96फीसदी वोट प्रतिशत हुआ करता था। बाकी जो असमिया

समाज है, वहां पर 75-76फीसदी तक का वोट प्रतिशत होता था। इस बार दोनों समाज के बीच प्रतियोगिता रही। पारंपरिक तौर पर जो समाज सक्रिय मतदान करता है, उन्होंने तो ज्यादा मतदान किया ही है, लेकिन जिस समाज में पारंपरिक तौर पर अधिक मतदान नहीं होता है, उस समाज ने भी बढ़-चढ़कर मतदान किया है।केरलम में 140 विधानसभा सीटों पर 2.6 करोड़ मतदाता हैं। इस बार 883 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। राज्य के 14 जिले में से दो जिलों में 80फीसदी से ऊपर मतदान हुआ। 10 जिलों में 70फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा वोटिंग 81.32फीसदी वोटिंग कोझिकोड में हुई। सबसे कम 70.76फीसदी मतदान पथनमथिट्टा में हुआ। केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुन रहे हैं।भाजपा ने कहा- महिला वोटर्स की वजह से बढ़ा मतदान-सीपीआई (एम) नेता सीएन मोहनन ने कहा कि जिन लोगों की मौत हो चुकी है या जो कहीं और चले गए हैं। उनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। इसी वजह से वोटिंग परसेंटेज बढ़ा। बीजेपी नेता केएस शैजू ने कहा, हमारे एनालिसिस से पता चलता है कि इस बार ज्यादा महिला मतदाताओं ने वोट डाला। ग्राउंड पर इसकी 3 वजह नजर आईं पहलीः सीएम पिनाराई विजयन के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी। विजयन 10 साल से सीएम हैं। इस बार सीपीआईएम के खिलाफ मुस्लिम वोटर भी एकजुट होकर वोटिंग के लिए बाहर निकले हैं। दूसरीः सीपीआईएम में विजयन के बाद सेकेंड लाइन लीडरशिप की कमी है। कई नेता भाजपा-कांग्रेस जॉइन कर चुके हैं। कैडर नाराज दिखा। तीसरीः सबरीमाला जैसे धार्मिक मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार के पक्ष को लेकर भी लोगों में काफी नाराजगी है। इसके अलावा सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी का मुद्दा भी एक बड़ा मसला दिखा। खासकर महिलाएं काफी नाराज हैं, जो सीपीएम की कोर वोटर मानी जाती रही हैं। इस मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस ने भी सरकार को घेरकर उनके हिंदू कैडर वोट बैंक में सेंध लगा रखी है।पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों में कुल 10 लाख मतदाता हैं। यहां 89.87फीसदी वोटिंग हुई। केंद्र शासित प्रदेश में कुल दो जिले हैं। सबसे ज्यादा 90.47फीसदी मतदान पुडुचेरी जिले में हुआ।

पाक आने से डर रहे जेडी वेंस! असीम मुनीर ने इस्लामाबाद को किले में बदला

इस्लामाबाद। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के संभावित दौरे को लेकर पाकिस्तान में हाई अलर्ट है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के शीर्ष अधिकारी उनके देश में संघर्ष विराम की शर्तों पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा हो सकते हैं। पाकिस्तान ने दावा किया है कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस्लामाबाद वार्ता में ईरान के शामिल होने की गारंटी दी है। हालांकि, अमेरिका की ओर से इस मुद्दे पर अभी तक पत्ते नहीं खोले गए हैं। इस बीच एक रिपोर्ट में बताया गया है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा करने से बचना चाहते हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने अमेरिका को पूर्ण सुरक्षा की गारंटी दी है। पाकिस्तानी गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने गुरुवार को अमेरिका की राजदूत नैटली बेकर से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने शुक्रवार से इस्लामाबाद में शुरू होने वाले अमेरिका-ईरान उच्च स्तरीय शांति वार्ता को लेकर सुरक्षा स्थिति से भी अवगत कराया। हालांकि, अमेरिकी राजदूत की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के दौरे को लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है। अमेरिका को पाकिस्तान की गांरटी के बावजूद सुरक्षा स्थिति को लेकर शक है। पाकिस्तान में आतंकवादी हमले आम बात हैं और वैश्विक नेताओं की मौजूदगी से इसका खतरा कई गुना बढ़ सकता है। मुलाकात के दौरान, नकवी ने बेकर को बताया कि सभी विदेशी मेहमानों की हर लिहाज से अभेद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक योजना तैयार कर ली गई है। उन्होंने कहा कि संघीय राजधानी में होने वाली इस उच्च-स्तरीय वार्ता के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर पाकिस्तान के विशेष मेहमान होंगे। इस बैठक में इस्लामाबाद आने वाले विदेशी प्रतिनिधिमंडलों की लॉजिस्टिकल व्यवस्थाओं पर भी विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति-'सुरक्षा कारणों से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान में ईरान के साथ होने वाली आमने-सामने की वार्ता में शामिल नहीं हो सकते हैं। उम्मीद है कि ईरान के साथ शांति वार्ता इस्लामाबाद में बहुत जल्द होगी। विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर वार्ता में शामिल होंगे।' इस बीच, विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के आगमन के कारण अधिकारियों ने पूरे इस्लामाबाद में सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है और यातायात में बदलाव किए गए हैं। इस कारण कई प्रमुख सड़कों पर यातायात का मार्ग बदला गया है या उन्हें बंद कर दिया गया है। इस्लामाबाद ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि शहर में एक विशेष यातायात योजना लागू की गई है और आज तथा कल, किसी भी भारी वाहन को इस्लामाबाद में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।

एडीएम ने क्रॉप कटिंग कराकर गेहूँ की उत्पादकता का किया आकलन,अवशेष कृषि अपशिष्ट को खेतों में न जलाए - एडीएम

किसान गेहूँ धान क्रय केंद्र पर ही विक्रय करें ताकि न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो सके - एडीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी

(प्रशासन) ने गेहूँ की पैदावार की हकीकत देखने के लिए सदर तहसील क्षेत्र के राही ब्लॉक के भदोखर गांव में पहुंचे। उनकी देखरेख में क्रॉप कटिंग कर उत्पादकता का आकलन किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल गेहूँ कटाई के 03 खेतों में प्रयोग किए गए। एक निश्चित त्रिकोण क्षेत्र में फसल कटाई करके यह देखा गया कि कितनी उत्पादकता प्राप्त हो रही है। जिसके अंतर्गत तीन खेतों में क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें गाटा संख्या 972 में लगभग 16.720 किग्रा के हिसाब से 38.6 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। इसी प्रकार गाटा संख्या 31 में 14.480 किग्रा के हिसाब से 33.4 कुंतल/हेक्टेयर एवं गाटा संख्या 731 में 05.520 किग्रा के हिसाब से 12.7 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित किसानों से कहा कि अपना गेहूँ धान क्रय केंद्र पर ही विक्रय करें ताकि न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो सके। अवशेष कृषि अपशिष्ट को खेतों में मत जलाए। क्रॉप कटिंग से फसल की पैदावार देखी जाती है इसमें रेंडम आधार पर खेतों को चुनकर फसल की उत्पादकता का आकलन किया जाता है। कम उत्पादकता होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत बीमा कंपनी किसानों को लाभ देती है, इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा करा लेना चाहिए। इस मौके पर तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक दुर्गाप्रसाद शुक्ला, लेखपाल महेश कुमार उपस्थित रहें।

सेक्टर 82 पॉकेट 7 में स्मार्ट मीटर एवं अन्य समस्याओं को लेकर मुख्य अभियंता से मिले

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने स्मार्ट मीटर एवं अन्य विद्युत संबंधी समस्याओं को लेकर मुख्य अभियंता संजय जैन से सेक्टर 16 स्थित कार्यालय पर मुलाकात की। इस मौके पर राघवेंद्र दुबे ने एक शिकायती पत्र मुख्य अभियंता को सौंपा। राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 1912 नंबर बहुत व्यस्त रहता है या कोई उठाता नहीं अगर उठा भी ले तो शिकायत दर्ज कराने पर बिना निस्तारण के ही निस्तारण करने का फर्जी मैसेज आ जाता है। स्मार्ट मीटर में बैलेंस होने के बाद भी लाइट काट दी जाती है जिससे गर्मियों में बच्चे और बुजुर्गों को बहुत परेशानी होती है। जो स्मार्ट मीटर जबरन बिना सहमति के लगाए गए हैं उनको हटाया जाए या फिर सहमति ली जाए। फर्जी नंबर से पासवर्ड खुद डालकर स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी के कर्मचारियों पर कानूनी कार्रवाई हो। सरकार के जीओ के अनुसार प्रीपेड मीटरों को सहमति लेकर पोस्टपेड किया जाए। जो स्मार्ट मीटर तेज चल रहे हैं जिससे लोगों का बिल बहुत ज्यादा आ रहा है उनके साथ चैक मीटर लगाया जाए और मीटर खराब होने की स्थिति में उसे तुरंत बदला जाए। जब से स्मार्ट मीटर लगे हैं बहुत से कनेक्शन में मोबाइल नंबर अभी तक अपडेट नहीं हुए हैं जिससे कई लोगों के बिल भी नहीं आ रहे हैं। पॉकेट में ज्यादातर केबल अंडर ग्राउंड हो गई है लेकिन कुछ जगह कई बार शिकायत करने के बाद भी केबल अंडर ग्राउंड नहीं की गई है। जो पोल गल चुके हैं उनको तुरंत बदला जाए जिससे कोई हादसा ना हो। ट्रांसफार्मर के बाहर सुरक्षा के लिए लगी जाली खुली हुई है या टूट गई है इसको ठीक कराकर इसमें ताला लगाया जाए। मुख्य अभियंता संजय जैन ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर जयकरण चौधरी, मनोज गोयल, बबलू चौहान मौजूद रहे।

नगर क्षेत्र में स्कूल चलो अभियान और रैली के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद के नगर विकास

क्षेत्र में विधालयों से कक्षा 5, कक्षा 6 व कक्षा 10 पास करने वाले विद्यार्थियों के विधालय के प्रधानाध्यापकों की समन्यव बैठक और स्कूल चलो अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के आयोजक खण्ड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र सुरेंद्र प्रताप ने स्कूल चलो अभियान 2026-27 के तहत परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विधालयों में शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने, ड्राप आउट बच्चों को वापिस विधालय की मुख्य धारा से जोड़ने और 1200 रुपये जो डीबीटी के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों की यूनिफॉर्म, जूते-मोजे हेतु आदि योजनाओं पर विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रत्नेश श्रीवास्तव ने पीएम श्री विधालयों में संचालित सरकार की योजनाओं के विषय में विस्तारपूर्वक बताया। बैठक में पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या स्मिता मिश्रा, जीजीआईसी देवानंदपुर की प्रधानाचार्या बरखा भारती, एमजीआईसी के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट दिनेश कुमार, वैदिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्यामनारायण सिंह, एआरपी आशीष तिवारी, अमिता पांडे ने भी नवीन नामांकन के विषय में बताया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष व प्राथमिक शिक्षक संघ के नगर अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर डॉ शांति अकेला, संदीप दीक्षित, शोएब हसन, मुदिता जायसवाल, पूनम यादव, ज्योति बाला, मंजुलता शुक्ला, रेखा शुक्ला, रजनी श्रीवास्तव, सुरभि शर्मा समेत बड़ी संख्या में छात्र - छात्राएं व उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे।

वन्या सिंह, स्नेहल सोनी, मन्नत दुग्गल, कल्कि फाउन्डेशन ट्रस्ट की ब्रांड एंबेसडर नियुक्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) (कल्कि न्यूज-नई दिल्ली/प्रयागराज) कल्कि फाउन्डेशन ट्रस्ट के संस्थापक व अध्यक्ष वरुण रस्तौगी जी ने मीडिया को जानकारी देते

हुए बताया कि आप सभी को बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है की सक्रिय सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं गैर राजनितिक पंजीकृत संस्था कल्कि फाउंडेशन ट्रस्ट ने संस्था का विस्तार करते हुए - प्रोफेशनल कथक डांसर, मॉडल, अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता वन्या सिंह, सुप्रसिद्ध भजन गायिका स्नेहल सोनी और बहुमुखी प्रतिभा की धनी एक्टर मन्नत दुग्गल को कल्कि फाउन्डेशन ट्रस्ट का ब्रांड एंबेसडर मनोनित किया है, समस्त कल्कि परिवार ने हार्दिक बधाई एवम शुभकामनाएं प्रेषित की है। वन्या सिंह, स्नेहल सोनी व मन्नत दुग्गल को कल्कि न्यूज व कल्कि फाउंडेशन ट्रस्ट की और से प्रतिष्ठित कल्कि गौरव सम्मान से भी सम्मानित किया गया है। (1) वन्या सिंह - दिल्ली की हलचल भरी सड़कों से लेकर स्टेज और स्क्रीन की जगमगाती रोशनी तक, 20 साल की वन्या सिंह ने सिर्फ़ साढ़े तीन साल की उम्र से ही परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपना रास्ता बनाना शुरू कर दिया था। एक प्रशिक्षित कथक डांसर, वन्या ने पूरे भारत में हुई प्रतियोगिताओं में अब तक 350 से ज़्यादा पुरस्कार जीते हैं, उन्होंने 'एहसास चैरिटेबल ट्रस्ट' की शुरुआत की है – यह एक ऐसी पहल है जो वंचित और विशेष ज़रूरतों वाले बच्चों के लिए समर्पित है। इस मंच के ज़रिए, वह इन युवा प्रतिभाओं को अपने हुनर ??को दिखाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपनी सीमाओं से परे जाकर बड़े सपने देखने के अवसर देने का काम करती हैं। (2) स्नेहल सोनी - झारखंड की 11 वर्षीय नन्ही भजन गायिका स्नेहल सोनी अपनी मधुर, स्पष्ट और भावपूर्ण आवाज़ के कारण भक्ति संगीत के क्षेत्र में तेजी से राष्ट्रीय पहचान बना रही है।कम उम्र में ही स्नेहल सोनी पारंपरिक भजन, लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत, स्तोत्र तथा गुरबानी जैसे विविध संगीत रूपों में अपनी प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर रही हैं। अपनी पढ़ाई के साथ-साथ संगीत साधना को निरंतर आगे बढ़ा रही हैं। स्नेहल सोनी ने कम आयु में ही अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उनके गायन में भक्ति भाव, स्पष्ट उच्चारण और गहराई देखने को मिलती है, जो उन्हें विशिष्ट बनाती है। (3) मन्नत दुग्गल - दिल्ली की अनुभवी 16 साल की बहुमुखी प्रतिभा की धनी एक्टर मन्नत दुग्गल ने कई बॉलीवुड फिल्मों, लघु फिल्म, विज्ञापनों, प्रिंट शूट आदि में अपनी कला का परिचय दिया है। उनके चेहरे के भाव, मनमोहक मुस्कान और बोलने का अंदाज हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देता है। अपनी पढ़ाई के साथ साथ इतनी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं जिसको देखते हुए उनके बड़े होकर एक सफल और प्रसिद्ध एक्टर बनने के संकेत मिलते हैं। वन्या, स्नेहल और मन्नत को उनके कार्यों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है। आपको बताते चलें कि इससे पहले 20 साल या उससे कम उम्र की श्रेणी में फरीदाबाद से सृष्टि गुलाटी और दिल्ली से वान्या शर्मा को कल्कि फाउंडेशन ट्रस्ट का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। समस्त कल्कि परिवार गौरवान्वित अनुभव कर रहा है एवं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

सैन जयंती पर होगा 56 प्रतिभाओं का सम्मान समारोह को लेकर गांव-गांव जनसंपर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोटपूतली। संत शिरोमणि सैन जी महाराज की जयंती समारोह

श्री सैन मंदिर विकास प्रबंधक एवं समाज उत्थान रजि. समिति के तत्वाधान में 14 अप्रैल को श्री सैन मंदिर पुतली में मनाई जाएगी। सैन जयंती अध्यक्ष नानक चन्द सैन ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक हंसराज पटेल, ब्राह्मण महासभा राज. वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं. सूर्यकांत शर्मा, श्री नारायणी सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गहलोत, चेयरमेन हंसराज कसाना, भाजपा नेता शंकरलाल कसाना, अखिल भारतीय हरसोरा धाम प्रधान संजय सैन बानसूर, पत्रकार प्रहलाद सैन पावटा रहेंगे।समारोह की अध्यक्षता कर रहे भामाशाह प्रधान राधेश्याम सैन फतेहपुर कलाँ के द्वारा 54 प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष वेद प्रकाश सैन ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिकाधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। समिति की ओर से तैयारियां जोर-जोर से की जा रही है। इसी क्रम में समिति के पदाधिकारीगण राधेश्याम सैन, नेतराम सैन, अजय सैन, संजय सैन, विक्रम सैन ने विभिन्न गांव में जनसंपर्क किया। एवं नगर परिषद क्षेत्र कोटपूतली में बनवारी लाल सैन, ओमप्रकाश सैन, नानक चंद सैन ने विभिन्न वार्डों में पहुंचकर समारोह में पधारने के लिए अपील की।

डीएम की अध्यक्षता में जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर की गई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनगणना-2027 के

सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना की तैयारियों, प्रक्रिया एवं संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना-2027 देश की पहली ऐसी जनगणना होगी, जिसमें आंकड़ों का संग्रहण पूर्णतः डिजिटल माध्यमों से किया जाएगा। प्रगणकों द्वारा विशेष मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से सीधे स्मार्टफोन पर परिवारों से आंकड़े संकलित किए जाएंगे। साथ ही नागरिकों को एक निर्धारित वेब पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। बैठक में बताया गया कि जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण 22 मई से 20 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसमें मकानों का सूचीकरण, उनकी स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं एवं परिसंपत्तियों से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। द्वितीय चरण 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक चलेगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित सामाजिक एवं आर्थिक विवरण जैसे आयु, लिंग, शिक्षा, वैवाहिक स्थिति एवं आजीविका से जुड़ी जानकारी एकत्र की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूर्ण करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि प्रगणक एवं सुपरवाइजर की तैनाती प्रशिक्षण प्रारंभ होने से पूर्व ही सीएमएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आंकड़ों के संकलन में शुद्धता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सर्वोपरि होनी चाहिए। जनगणना कार्य में लगे कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, तटस्थता एवं राष्ट्र सेवा की भावना के साथ करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, सीओ सीटी अरूण कुमार, उपजिलाधिकारी सचिव यादव सहित समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली गई जागरूकता रैली,बच्चों का शत-प्रतिशत हो नामांकन - बीईओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) दीनशाह/गौरा/रायबरेली। विकास क्षेत्र दीनशाह गौरा में खण्ड शिक्षा

अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह के नेतृत्व में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का मुख्य उद्देय आमजनमानस को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना था। रैली के मुख्य अतिथि बीडीओ दीनशाह गौरा अशोक सचान ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि अभियान का मुख्य लक्ष्य अधिक से अधिक बच्चों का विधालयों में नामांकन सुनिश्चित करना, उनकी नियमित उपस्थिति बनाए रखना, ड्राप आउट रेट को कम करना और अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना था। ब्लॉक संसाधन केंद्र से शुरू हुई यह रैली कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान छात्र-छात्राएं और शिक्षक हाथों में बैनर और तख्तियां लिए 'स्कूल चलें हम', 'सब पढ़ें सब बढ़ें', 'हर बच्चा स्कूल जाए' जैसे नारे लगा रहे थे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष शैलेश पांडे ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से विधालय भेजकर उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने की बात कही। एसआरजी सुनील यादव ने 'स्कूल चलो अभियान' का विस्तृत वर्णन किया। इस अवसर पर शिक्षक अखिलेश कुमार, हृकेश यादव, धर्मेंद्र सिंह, उमेश त्रिवेदी, जंग बहादुर, उमेश वर्मा, सर्वेन्द्र सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, मनीष दीक्षित, संतोष आनंद, बृजेन्द्र सिंह, ओम प्रकाश, उदय रावत, रोहित कुमार, पारितोष सिंह, धर्मेंद्र यादव, अरबाब हैदर, कुँवर जी यादव, अनूप सिंह, सौरभ सिंह, संतोष मौर्य, श्याम शंकर त्रिवेदी, सुधीर शुक्ला आदि समेत बड़ी संख्या में छात्र-छत्राएँ और उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे।

बी डी बी आर ए सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थान का तीसरा दिन पुरस्कारों के लिये समर्पित रहा

मीडिया से जुड़े पत्रकार एवं पदाधिकारी के.पी. सविता बौद्ध को भी सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) खुर्जा/बुलंदशहर। बी डी बी आर ए सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थान खुर्जा का तीसरा दिन पुरस्कारों के लिए समर्पित रहा। पहले हम जूनियर संवर्ग यानि कक्षा 6-8 तक की कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों और छात्राओं को मिले पुरस्कारों का जिक्र करेंगे। उसके बाद सीनियर संवर्ग यानि कक्षा नौ से बारह की कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों व छात्राओं को मिले पुरस्कारों की जिक्र करेंगे। गत सत्र भारतीय बौद्ध महासभा 30 प्र0 के अंतर्गत युवा व बाल विकास समिति द्वारा प्रदेश व्यापी डॉ अम्बेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता कराई गई थी। जिसमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों व छात्राओं का चयन पुरस्कारों के लिए चयनित किया गया था। दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय व सान्त्वना पुरस्कारों के लिए इस प्रकार से चयनित करते हुए आठ अप्रैल को पुरस्कृत किया गया। मिली जानकारी के अनुसार जूनियर वर्ग यानि कक्षा 6-8 तक की कक्षाओं में प्रांत स्तर पर अंशू सिंह पुत्री हरीराम जिला हरदोई ने 88 अंक सर्वाधिक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। स्नेहा मौर्या पुत्री अरुण कुमार मौर्य जिला जौनपुर ने 86 अंक प्राप्त कर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। तीसरा स्थान मोहिनी देवी पुत्री मिथिलेश जिला शाहजहांपुर ने 83 अंक और ज्योत्स्ना गौतम पुत्री संजीव कुमार जिला कानपुर देहात ने भी 83 अंक प्राप्त कर दोनों तीसरे स्थान पर सफल हुए हैं। कुशाग्र पाल पुत्र रामवतीनंदन जिला बरेली 80 अंक, कु0 पलक पुत्री प्रमोद कुमार जिला बदायूं 79 अंक, कु0 दीक्षा पुत्री संत वीर जिला बदायूं

78 अंक, मो0 अयान पुत्र मो0 इस्लाम जिला हरदोई 77 अंक, अविष्का पुत्री योगेन्द्र कुमार हापुड़ ने भी 77अंक हासिल किया है। पायल वर्मा पुत्री दशरथ कुमार उन्नाव ने 76 अंक, चांदनी पुत्री धर्मेन्द्र कुमार पीलीभीत 75 अंक, कु0 सिमरन पुत्री सुनील कुमार जिला मुरादाबाद 75 अंक, कु0 अदिति पुत्री प्रजापति राजवीर प्रजापति जिला शाहजहांपुर 75 अंक, अभिप्राय गौतम पुत्र पातीराम गौतम जिला शाहजहांपुर 75 अंक, हिमांशु पाल पुत्र छत्रपाल सिंह गाजियाबाद 74 अंक, कु0 सुदीक्षा पुत्री रामजनम जिला अयोध्या 74 अंक और अंश राज पुत्र मदन गोपाल जिला उन्नाव 74 अंक। इन सबकों अलग अलग निर्धारित धनराशि देकर प्रमाणपत्र आदि देकर पुरस्कृत किया गया है। हापुड़ जिला इकाई को प्रथम स्थान का पुरस्कार दिया गया। दोनों वर्गों में सर्वाधिक 2531 प्रतिभागी शामिल कराने व 12 परीक्षा केंद्र खोलने पर। जिला इकाई बुलंदशहर को दूसरा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है 1955 प्रतिभागी जोड़ने के लिए व 13 परीक्षा केंद्र खोलने हेतु। हरदोई जिला इकाई को तीसरा पुरस्कार दिया गया 1823 प्रतिभागी जोड़ने 13 परीक्षा केंद्र खोलने हेतु। प्रथम को दस हजार रुपये, द्वितीय को आठ हजार और तृतीय श्रेणी वृषिका को 6000/-तृतीय बुलंदशहर,। जूनियर संवर्ग को सीनियर संवर्ग से कुछ कम नकद राशि निर्धारित किया गया था। कुल मिलाकर 78000/-का धन पुरस्कार में वितरित किया गया है। सीनियर वर्ग यानि कक्षा 9-12 तक की कक्षाओं में प्रांत स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार सीनियर वर्ग की छात्रा कु0 फलक पुत्री जाकिर खां को सौ में से 85 अंक जनपद रामपुर को मिले जिसे निर्धारित धनराशि रुपये नकद प्रमाणपत्र और मोमेंटो देकर विभिन्न अतिथियों द्वारा देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह कु0 सुकृति राव पुत्री सुशील कुमार निवासी कानपुर देहात को 79 अंक प्राप्त कर प्रांत में दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रांत में तीसरा स्थान कु0 कृषिका पुत्री जयकेश जिला बुलंदशहर को 78 अंक हासिल हुये। इन तीन के अलावा तेरह छात्र छात्राओं का भी पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। जिसमें पिंटू गौतम पुत्र हरद्वारी जनपद हरदोई को 77अंक कु0 अंशी मौर्या पुत्री अशोक कुमार मौर्य जिला रायबरेली को 76अंक मिले। कु0 स्वेच्छा मौर्या पुत्री जय प्रकाश निवासी जिला जौनपुर को 76 अंक, नितिन कुमार पुत्र ओमप्रकाश जिला हरदोई 76 अंक, तुषार पुत्र वीर सिंह जिला हापुड़ को 75 अंक, कपिल पुत्र सतवीर सिंह जिला हापुड़ को 74 अंक, ईशान पुत्र सुशील कुमार जिला हापुड़ को 73 अंक, मुगल आजम खां पुत्र तस्वीर अहमद, जिला रामपुर, - 73 अंक, मोहन प्रकाश सिंह पुत्र यश वंत सिंह जनपद कन्नौज, कार्तिकेय पुत्र रामबाबू कर्वी जनपद चित्रकूट, को भी 73 - 73 अंक मिले हैं। प्रांत में सर्वाधिक प्रतिभागी व केंद्र देने वालों के लिए पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है। जिला इकाई हापुड़ प्रथम दोनों वर्गों में 2531प्रतिभागी और 12 परीक्षा केंद्र हेतु। कार्य के अनुसार पदाधिकारियों को अलग - अलग पुरस्कार कुछ खास पदाधिकारियों को दिये गये हैं। मीडिया से जुड़े एक पदाधिकारी को भी भारतीय बौद्ध महासभा 30 प्र0 ने पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय बौद्ध महासभा 30 प्र0 के प्रांतीय अध्यक्ष मानसिंह गौतम एडवोकेट, प्रांतीय महामंत्री द्वय डॉ अरविन्द कुमार गौतम व साहब सिंह बौद्ध, प्रांतीय संयुक्त मंत्री, महेंद्र सिंह दिनकर, मुख्य अतिथि मोनिका सिंह ब्लाक प्रमुख, के पी सिंह, सुनील कुमार पूर्व आई पी एस मुख्य वक्ता, विशिष्ट अतिथि धर्म वीर सिंह अशोक, किरन पाल सिंह, युवा एवं बाल विकास समिति के अध्यक्ष अरुणेन्दु कुमार गौतम, नाटक कलाकार जगरोशनी बौद्ध, रमेश चंद्र गौतम, आर के सिंह, रमेश चंद्र गौतम, सत्य प्रकाश भास्कर जिलाध्यक्ष प्रतापगढ़, सी बी निमेष, गोपी चंद्र निमेष, सुशीला सरोज, रानी आदित्य, गुरुदयाल बौद्ध, इं नाहर सिंह, देशराज बौद्ध, के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक गौरीगंज रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा 30 प्र0 शाखा जनपद अमेठी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय गोवंश संरक्षण एवं अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय गोवंश संरक्षण एवं अनुश्रवण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने सभी गोआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओ की ब्लॉकवार समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि गोआश्रय स्थलों में पशुओं के लिए हरा चारा, पानी,चिकित्सा, प्रकाश, शेड आदि सुनिश्चित कराए। यदि कोई पशु संक्रामित है तो उन्हें अलग कर उचित उपचार कराए। गोआश्रय स्थलों में गर्मी के मौसम को देखते हुवे लू एवं हीटवेव से बचाव हेतु समस्त आवश्यक प्रबन्ध समय से सुनिश्चित कराए। किसी गौशाला में जलभराव की समस्या हो तो बरसात के मौसम के पहले

प्राथमिकता से उसका निराकरण कराए, जिससे बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या न हो। यदि किसी गोवंश की मृत्यु हो जाये तो उचित तरीके से उनका निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन गोशालाओं में सीसीटीवी कैमरे कार्य नहीं कर रहे है। उन्हें शीघ्र सही करा लें और लगातार उसकी निगरानी भी करते रहे। गोआश्रय स्थलो को स्वालम्बी बनाने के लिए गोशालाओ में वर्मीकम्पोस्ट,गोबर निर्मित काष्ठ,दीपक व पेंट निर्माण की व्यवस्था कराई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, डीएफओ प्रखर मिश्रा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा सहित समस्त उप जिलाधिकारी,जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद कुमार,मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 कुलदीप कुमार द्विवेदी एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

गांव चलो अभियान के अंतर्गत गांवों में भाजपा द्वारा व्यापक जन सम्पर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में 'गांव चलो अभियान' के अंतर्गत आज विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क एवं निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह ने गांवों का भ्रमण कर स्थानीय समस्याओं का गहन निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान पंकज सिंह ने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। विशेष रूप से उन्होंने किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि जैसे कदमों ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से किसानों को सीधे आर्थिक सहायता, फसल सुरक्षा, बेहतर उत्पादन और बाजार में उचित मूल्य मिल रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है और वे आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बन रहे हैं। योगी सरकार द्वारा प्रदेश स्तर पर मंडियों के आधुनिकीकरण, कृषि निवेश में बढ़ोतरी और किसानों के बकाया भुगतान में तेजी लाने जैसे कदम भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। अपने उद्बोधन में पंकज सिंह ने कहा कि आज भारत की शक्ति का लोहा पूरा विश्व मान रहा है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत की रक्षा प्रणाली और मारक क्षमता की वैश्विक स्तर पर सराहना हो रही है। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जहां एक ओर वैश्विक युद्ध और तनाव के कारण कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है, वहीं भारत सरकार ने इस बढ़ोतरी का बोझ स्वयं वहन कर आम नागरिकों को राहत प्रदान की है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं और 'गांव चलो अभियान' इसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है। कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान जी, मुक्तानंद प्रधान, विशंभर शर्मा, रामकिशोर, रमेश पंडित, ज्ञानचंद, भूले राम शर्मा, बृज किशोर, हरिकिशन, रामनाथ तोमर, श्रीचंद जाटव, सुरेंद्र शर्मा, जतन स्वरूप, देवदत्त गिरी, चौधरी विजय, अजय शर्मा, सुनील दत्त शर्मा, सुखबीर, डालचंद, अंकित शर्मा, रामपाल शर्मा, चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, पूनम सिंह, प्रमोद बहल, डिंपल आनंद, बबलू यादव, रामनिवास यादव, अर्पित मिश्रा, रवि यादव,आदि ग्रामवासी एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

रिश्वत की रकम हाथ में, लोकायुक्त ने दबोचाः महिला इंजीनियर 10 हजार लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। जिले में भ्रष्टाचार पर लोकायुक्त का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। एक हफ्ते के भीतर दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए रीवा लोकायुक्त की टीम ने गुरुवार को देवलौंद क्षेत्र के नगर परिषद खाड़ में पदस्थ महिला इंजीनियर सुधा वर्मा को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार रीवा की जेके कंस्ट्रक्शन कंपनी नगर परिषद खाड़ क्षेत्र में नाली, सड़क, स्टेडियम सहित कई निर्माण कार्य कर रही थी। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कंपनी द्वारा बिल भुगतान की प्रक्रिया शुरू की गई। आरोप है कि बिल पास करने के एवज में नगर परिषद की महिला इंजीनियर सुधा वर्मा ने ठेकेदार से 20 हजार की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता जेके अग्रवाल ने इसकी शिकायत रीवा लोकायुक्त से की। शिकायत की जांच के बाद लोकायुक्त टीम ने योजना बनाकर गुरुवार को नगर परिषद कार्यालय में जाल बिछाया। तय योजना के तहत जैसे ही महिला इंजीनियर ने 10 हजार रुपये की रिश्वत ली, लोकायुक्त की टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथ दबोच लिया। नगर परिषद कार्यालय के भीतर हुई इस कार्रवाई से कर्मचारियों और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। अचानक लोकायुक्त की टीम के पहुंचने से पूरे कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कार्रवाई के बाद टीम महिला इंजीनियर को पूछताछ और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए बाणसागर स्थित जल संसाधन विभाग के रेस्ट हाउस ले गई, जहां देर शाम तक कार्रवाई चलती रही। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की विवेचना जारी है.गौरतलब है कि इससे पहले 2 अप्रैल को भी लोकायुक्त रीवा ने जयसिंहनगर थाने में पदस्थ एक सहायक उप निरीक्षक को 2 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा था। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश गया है।

श्रीमद्भागवत कथा में कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 34 कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस कृष्ण जन्मोत्सव पर आज के दिव्य प्रसंग में कथा व्यास पूज्यनीय डॉ.पूरन चन्द्र पाण्डेय जी (यशस्वी) ने श्रद्धालुओं को भगवान की अनंत कृपा और उनके शरणागत भक्तों की रक्षा के दिव्य संदेश से भाव-विभोर किया। व्यास जी ने बताया कि भगवान सदैव अपने शरणागत जीवों की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं, आवश्यकता केवल इस बात की है कि जीव निरंतर उनका स्मरण करता रहे। कथा के दौरान गजराज और ग्राह की मार्मिक कथा का वर्णन करते हुए बताया गया कि जब गजराज संकट में पड़ा, तब भगवान स्वयं प्रकट होकर उसकी रक्षा करते हैं और उसका उद्धार करते हैं। इसके अतिरिक्त समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाते हुए बताया गया कि देवताओं और असुरों द्वारा मंथन के समय भगवान ने कच्छप अवतार धारण कर मंदराचल पर्वत को आधार प्रदान किया और चौदह रत्नों को प्रकट कराया। अमृत प्राप्ति के समय जब विवाद उत्पन्न हुआ, तब भगवान ने मोहिनी रूप धारण कर असुरों को मोहित किया और देवताओं को अमृत पान कराया। वामन अवतार की कथा में बताया गया कि भगवान ने राजा बलि से तीन पग भूमि मांगकर संपूर्ण पृथ्वी और स्वर्ग को देवताओं को पुनः प्रदान किया। मत्स्य अवतार के माध्यम से भगवान ने प्रलय के समय सृष्टि की रक्षा कर पुनः सृजन का कार्य किया। सूर्यवंश में अवतार लेकर भगवान श्रीराम ने सत्य और मर्यादा की स्थापना कर 'मर्यादा पुरुषोत्तम' के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया। अंत में भगवान श्रीकृष्ण ने कंस के अत्याचारों से व्याकुल पृथ्वी और ब्रजवासियों की रक्षा हेतु अवतार धारण किया। कथा के उपरांत श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भक्ति रस में सराबोर हुए। इस अवसर पर जितेन्द्र चौरसिया, के के जैसवाल, नंद कुमार यादव, वेद प्रकाश तिवारी, जगदीश जोशी, रूप नारायण त्रिपाठी, गुलाब सिंह, के सी रावत, यस के सिंघल, किशोर सक्सेना, देवेन्द्र वत्स, शम्भु मिश्रा, राम जी पांडेय, भीमसेन राउत, शिव चरण द्विवेदी, रोहित चौहान, रमाकांत शर्मा, नंद कुमार यादव, के.पी. भट्ट, शशिकांत शर्मा, संगीता सिंह, सिमरन चौहान, मीनाक्षी, प्रिया पांडेय, ऋतु उपाध्याय, अनीता भट्ट, मीनाक्षी त्रिपाठी,अर्चना तिवारी सुलेखा ध्यानी, कुशला भट्ट, अनीता भट्ट, परी उषा बघेल, साधना आर्या, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

राना बेनी माधव सिंह स्मारक इंटर कॉलेज शंकरपुर में प्रबंध समिति-साधारण सभा का निर्विरोध निर्वाचन शांतिपूर्ण सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) जगतपुर/रायबरेली। 1857 के क्रांति के अमर सेनानी राना बेनी माधव सिंह की पावन जन्मस्थली-कर्मस्थली शंकरपुर में प्रतिष्ठित राना बेनी माधव सिंह स्मारक इंटर कॉलेज में गुरुवार को प्रबंध समिति एवं साधारण सभा का निर्वाचन पूर्णतः निर्विरोध और सर्वसम्मति के साथ संपन्न हुआ। यह निर्वाचन पूरी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और संस्थागत एकजुटता के साथ हुआ। राना के ऐतिहासिक शिक्षण संस्थान शंकरपुर इंटर कॉलेज में हरिचन्द्र बहादुर सिंह का लगातार पांचवीं बार निर्विरोध प्रबंधक निर्वाचित होना उनके नेतृत्व, स्वीकार्यता और संस्थान के प्रति दीर्घकालिक समर्पण की दृढ़ता को प्रमाणित करता है। वर्ष 2010, 2013, 2016, 2021 और 2026 में लगातार निर्विरोध चयन का निर्वाचन प्रक्रिया जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नामित पर्यवेक्षक एवं राजकीय हाई स्कूल सूची के प्रधानाचार्य राजेश यादव की देखरेख में तथा चुनाव अधिकारी अरुण कुमार त्रिपाठी की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता और गरिमा के साथ संपन्न हुई। कुल 60 में से 55 सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ने इस चुनाव को लोकतांत्रिक जागरूकता और सहभागिता का प्रभावशाली उदाहरण बना दिया।यह क्रम न केवल एक रिकॉर्ड है।बल्कि यह संस्थान में विश्वास और स्थिर नेतृत्व की मजबूत नींव को भी दर्शाता है। प्रबंध कार्यकारिणी में महेश प्रताप सिंह अध्यक्ष, सूर्यभान सिंह उपाध्यक्ष, अनुज प्रताप सिंह उप प्रबंधक तथा समर बहादुर सिंह कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। सदस्य पद पर भगवत प्रताप सिंह, राजकुमार सिंह (धीरज), सत्यम गुप्ता,छेदीलाल यादव, रामसेवक, राकेश सिंह एवं राम केवल पाल सहित सभी प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। वहीं साधारण सभा में भी सर्वसम्मति की परंपरा कायम रही, जहां राजकुमार सिंह (धीरज) अध्यक्ष, हरकेश सिंह उपाध्यक्ष तथा अशोक कुमार सिंह मंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए। बताते चलें कि वर्ष 1964 में स्थापित यह शिक्षण संस्थान दशकों से शिक्षा, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों का सशक्त केंद्र बना हुआ है। इस बार का निर्विरोध चुनाव संस्थान की एकता, पारदर्शिता और शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करता है। निर्वाचन के दौरान प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार, वरिष्ठ सहायक राघवेंद्र प्रताप सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। हरिचन्द्र बहादुर सिंह के पुनः प्रबंधक निर्वाचित होने पर उनका फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। शिक्षक नेता राम अकबाल बहादुर सिंह समेत अन्य लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निर्वाचित हुए सभी पदाधिकारियों,सदस्यों में शामिल महिलाओं और पुरुषों को माला पहनकर सम्मानित किया गया।

राजकीय महिला महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राजकीय महिला महाविद्यालय, रॉबर्ट्सगंज के प्रांगण में 'वार्षिकोत्सव, युवा महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह-2026' का अत्यंत हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस भव्य समारोह में छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक और सांस्कृतिक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि प्रो. प्रमोद कुमार (प्राचार्य, राजकीय पी.जी. कॉलेज, ओबरा) ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रो. कुमार ने कहा, 'युवा महोत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में शिक्षा और आत्म-सम्मान सबसे बड़े अस्त्र हैं।' सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर वंदना कुमारी के कुशल निर्देशन में छात्राओं ने सरस्वती वंदना, लोक नृत्य, नाटक और देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। युवा महोत्सव के अंतर्गत वर्ष भर आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। 'प्रतिभा सम्मान' के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को तथा प्रत्येक सेमेस्टर में विषयवार सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। संयोजक का वक्तव्यः कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संयोजक प्रोफेसर वंदना कुमारी ने कहा कि महाविद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी प्राध्यापकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और छात्राओं को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 गिरीश कुमार, डॉ0 दिलीप कुमार सिंह, डॉ0 बृजेश कुमार यादव तथा कार्यालय के कार्मिक ममता चौहान, सिद्धार्थ मौर्य, श्रवण कुमार, गीता आदि उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम का सफल संचालन प्रताप कुमार पाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ0 वंदना ने आए हुए सभी अतिथियों, मुख्य अतिथि, छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया।

डीईओ ने निर्वाचक नामावलियों का किया अन्तिम प्रकाशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 के अन्तर्गत अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में जनपद में अवस्थित 06 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा 177-बछरावां (अ0जा0) 179-हरचन्दपुर, 180-रायबरेली, 181-सलोन (अ0जा0), 182-सरेनी एवं 183-ऊँचाहार के मतदेय स्थलों पर निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन किया गया। जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन किया एवं सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अन्तिम प्रकाशन की मतदाता सूचीयां भी दिलाई गयी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यकम-2026 के दृष्टिगत अन्तिम रूप से तैयार निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन आज जनपद स्तर पर एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में एवं प्रत्येक पदाभिहित स्थलों पर किया गया है। अन्तिम रूप से प्रकाशित निर्वाचक नामावली जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन कार्यालय में, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में तथा जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध है। कोई भी मतदाता उक्त स्थलों पर जाकर अन्तिम प्रकाशित मतदाता सूची में अपना अथवा अपने सम्बन्धी का नाम देख सकता है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस0आई0आर0) 2026 अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर आज जनपद की समस्त विधानसभा क्षेत्रों के बूथों पर निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन कर मतदाता सूची को प्रदर्शित किया गया है। निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन के अनुसार जनपद में विद्यमान कुल मतदान केन्द 1458, कुल मतदेय स्थल 2451, जनपद में पुरूष मतदाताओं की संख्या 1014928, महिला मतदाताओं की संख्या 872445, तृतीय लिंग मतदाताओं की संख्याा 25, जनपद में कुल मतदाताओं की संख्या 1887398 है।उन्होंने बताया कि जनपद में 18-19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या 20692, जनपद में विद्यमान ईपी रेशियों के अनुसार 53.69, जेण्डर रेशियों 860 एवं ऐज कोहार्ट रेशियों (18-19) 1.10 है। इसके अतिरिक्त जन-सामान्य द्वारा अन्तिम प्रकाशित मतदाता सूची का निरीक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, रायबरेली की वेबसाइट https://Raebareli.nic.in/ पर एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 लखनऊ की वेबसाइट https://ceouttarpradesh.nic.in/ पर भी देखा जा सकता है।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी राजेश श्रीवास्तव,प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

होम्योपैथी के प्रणेता डॉ सैमुअल हैनीमैन का 271 वाँ जन्मदिन धूमधाम से मना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। हमाई की रॉबर्ट्सगंज इकाई एवं फोर होम्योपैथिक फार्मेसी कॉलेज सोनभद्र के संयुक्त तत्वाधान में होम्योपैथी के प्रणेता डॉ सैमुअल हैनीमैन का 271 वाँ जन्मदिन फोर एस होम्योपैथिक फार्मेसी कॉलेज के श्री मालवीय सभागार में धूमधाम से मनाया गया। ज़िला सोनभद्र के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ आनंद नारायण मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ सी बी डी पांडेय ने किया। अपने संबोधन में डॉ आनंद नारायण ने प्राइवेट एवम सरकारी होम्योपैथ चिकित्सकों से आवाहन किया कि होम्योपैथी के द्वारा स्वास्थ्य के कैम्पो में सम्मिलित होकर इस विधा को जन जन तक पहुँचाने का संकल्प ले। मुख्य वक्ता ने होम्योपैथी के कई बिंदुओं को चिन्हित करते हुए उसकी सार्थकता एवम प्रामाणिकता पर विश्व में किए गए कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया की होम्योपैथी एक सटीक विधा है और हमाई के सोनभद्र इकाई के गठन होने के पश्चात इसको बल मिला है। हमाई के सोनभद्र इकाई के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार द्विवेदी ने सभी आगंतुक अतिथियों का धन्यवाद दिया व इस प्रकार के कार्यक्रम में सभी चिकित्सकों से बढ़ चढ़ के हिस्सा लेने का आग्रह किया। कोषाध्यक्ष डॉ वेद प्रकाश मिश्रा ने होम्यीपैथी के प्रचार एवम प्रसार के बारे में बताया और आगे हमाई की सदस्यता बढ़ाने के लिए आज के कार्यक्रम में भाग लेने वाले चिकित्सकों से अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजनी द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डीलर आशीष द्विवेदी, डॉ एस पी तिवारी, डॉ गणेश त्रिपाठी, डॉ श्रद्धा दूबे, डॉ रवि मिश्रा, डॉ गंगेश्वर पांडेय, डॉ रेखा प्रजापति, डॉ सुमन द्विवेदी, डॉ प्रियांशी, डॉ मनोज शर्मा, डॉ राजकुमार, डॉ संजय सिंह, डॉ राजेश सिंह, डॉ आनंद नारायण, डॉ ज्योति, डॉ सी बी डी पांडेय, डॉ अभिषेक पांडेय, डॉ अविनाश त्रिपाठी, डॉ अक्षय मिश्रा आदि ने योगदान दिया।

अखंड भारत के निर्माता सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के आदर्शों पर चलकर शोषित समाज को अधिकार दिलाएगी जन अधिकार पार्टी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)?सोनभद्र। जन अधिकार पार्टी द्वारा आयोजित अखण्ड भारत के निर्माता व प्रथम चक्रवर्ती सम्राट एवं मौर्य वंश के संस्थापक सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य जी कि जयंती विधानसभा सभा ओबरा (402) के ग्राम सभा - वेलकप में मनाई गयी।सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक राजनीति में उसके महत्व पर चर्चा की गई। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य केवल एक राजा नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और न्यायपूर्ण प्रशासन के प्रतीक थे। जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा कि सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य का शासन 'समतामूलक समाज' की नींव था, जहाँ योग्यता को प्राथमिकता दी जाती थी। जन अधिकार पार्टी उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति (पिछड़ों, दलितों और शोषितों) को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है।जिस तरह चन्द्रगुप्त मौर्य ने मगध के क्रूर शासक को समाप्त कर जनता का शासन स्थापित किया, उसी तरह जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0बाबू सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में पार्टी 'भागीदारी' की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी की मुख्य मांग 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' के सिद्धांत पर आधारित है।मौर्य प्रशासन अपनी कार्यकुशलता के लिए जाना जाता था। कार्यक्रम में संत कुमार, कालीचरण, कृष्ण मुरारी, नन्दलाल, अशोक, जगनी, रंजना, इंदु देवी, प्रियंका, रामप्रवेश, चन्द्रिका, अमरावती, नमिता, सहेन्द्र सहित अनेको लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला कोषाध्यक्ष मंगला प्रसाद मौर्य जी ने किया।

'स्मार्टफोन पर 6 घंटे खर्च करना भी बीमारी',किडनी खराब तो चल जाएंगे,हार्ट ब्लॉक हुआ तो दूसरे लोक की यात्रा हो जाएगी-ःयोगी

लखनऊ। लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अस्पतालों की ओपीडी पर अत्यधिक दबाव है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में रोजाना 12,000 से 14,000 मरीज ओपीडी में आते हैं, जबकि पीजीआई में यह संख्या 10,000 से 11,000 के बीच है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के एक साथ अस्पताल आने पर डॉक्टरों के लिए इलाज करना कितना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। सीएम ने कहा कि आज के समय में स्मार्टफोन भी कई बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। 4 से 6 घंटे तक स्मार्टफोन का उपयोग करना भी एक तरह की बीमारी है। उन्होंने कहा कि हृदय शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। किडनी खराब होने पर व्यक्ति डायलिसिस के सहारे जीवन जी सकता है, लेकिन यदि हृदय में ब्लॉकेज हो जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। मुख्यमंत्री, शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी में आयोजित नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार हुआ है।

स्मार्ट मीटर लगाकर जनता के जेब काट रही सरकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज पूरे जनपद की

बहुत बड़ी समस्या स्मार्ट मीटर की है जिसके कारण जनपद का व्यापारी किसान नौजवान मजदूर गाँव गरीब हरेक व्यक्ति बिजली विभाग के इस उत्पीड़न वाले यंत्र से परेसान है जहाँ एक ओर केन्द्रीय बिजली मन्त्री बोल रहे हो कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ता के सहमति से लगाना चाहिए उसके बावजूद भी बिजली विभाग के लोग मनमानी कर रहे हैं और इस जनपद के प्रतिनिधि कुम्भकरणी निद्रा में सोये हुए है इनको जनता से कोई वास्ता नहि रहा केवल अपने घरो व रिस्तेदारो के यहा न लगे स्मार्ट मीटर इसी मे सब परेसान है यदि जल्दी ही इस पर रोक न लगी तो किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा बड़ा आन्दोलन करेगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी पिछले हफ्ते जनचौपाल में चतरा ब्लाक के डुबटिया में जो लोग रासन लेते है जिनके घरो में मात्र चार या पांच सिएफेल जल रहे उन लोगो का बिल दो लाख तीन लाख का भेजा गया है ये कौन सा तरिका विभाग का है इसकी जाच करायी जाय आज के कार्यक्रम में प्रमुख रुप से आकाश चौहान बिन्द नगेन्द्र धागर प्रमोद धागर लाल बिहारी गोड सत्यम पाण्डेय सत्यम तिवारी विजय चौहान दिनेश चेरो अनिल उराव कृष्णा नन्द गोड व मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनभद्र-अवैध अस्पतालों पर मेहरबानी या मजबूरी? स्वास्थ्य विभाग की 'कागजी' कार्रवाई पर उठे सवाल

अमान खान की आईजीआरएस शिकायतों पर विभाग का 'अजीब' तर्क, बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे अस्पतालों को मिली खुली छूट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में अवैध क्लीनिकों और पैथोलॉजी सेंटरों

का जाल बिछा हुआ है, जो सीधे तौर पर मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। आरटीआई एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अमान खान द्वारा आईजीआरएस (आईजीआरएस) के माध्यम से की गई शिकायतों ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। मुख्य मामले जिन पर विभाग घिरा:- मॉडर्न पैथोलॉजी (कचनरवा): छापेमारी के दौरान संचालक ताला लगाकर फरार हो गया, लेकिन विभाग ने इसे सील करने के बजाय दोबारा 'मुहूर्त' देखकर निरीक्षण करने की बात कहकर टाल दिया। सौम्या हॉस्पिटल (उर्मोरा): बिना वैध पंजीकरण के संचालित इस अस्पताल को विभाग ने यह कहकर क्लीनचिट दे दी कि 'नवीनीकरण के लिए आवेदन किया गया है।' सवाल यह है कि आवेदन क्या अवैध काम का लाइसेंस है? रामा हॉस्पिटल: लापरवाही के कारण सील होने के बावजूद गतिविधियों की शिकायत है। विभाग कोर्ट केस का बहाना बनाकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है। सुनील मौर्या क्लीनिक: विभाग का दावा है कि उन्हें क्लीनिक का 'पता' ही नहीं मिल रहा है, जबकि स्थानीय जनता के बीच यह केंद्र चर्चा का विषय है। 'विभाग अवैध केंद्रों को सील करने के बजाय केवल समय काटने वाली आख्याएं लगा रहा है। यदि तत्काल एफआईआर और तालाबंदी नहीं हुई, तो शासन स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।' अमान खान, जिलाध्यक्ष, आरटीआई एसोसिएशन शिकायतकर्ता का आरोप है कि नोडल अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग की टीम कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति कर रही है। अब देखना यह है कि क्या उच्चाधिकारी इन 'मौत के अड्डों' पर नकेल कसते हैं या शिकायतों का पुलिंदा फाइलों में ही दबा रह जाता है।

मृतक आश्रित ज्योति को दो लाख रुपये का मिला चेक,केनरा बैंक ने कैंसर से मौत होने पर आश्रित को बीमा की राशि प्रदान की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर स्थित

केनरा बैंक ने शुक्रवार को मृतक आश्रित परिवार के सदस्यों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत महिला थाना प्रभारी सविता सरोज व शाखा प्रबन्धक आरिफ अब्बास के द्वारा मृतक आश्रित के परिवार को दो लाख का चेक दिया गया। महिला थाना प्रभारी सविता सरोज ने कहा कि किसी की मृत्यु की भरपाई पैसे से नही की जा सकती। पैसे से परिवार की क्षतिपूर्ति नहीं हो सकती, लेकिन सरकार ने बेसहारा परिवार के आर्थिक स्थिति में सुधार के लिये बीमा योजना चलाया है। जिससे परिवार के मुखिया के न रहने पर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। इसलिये जो भी खाता धारक हैं। वे बैंक में आकर प्रधानमंत्री ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमा अवश्य करायें। ब्रांच मैनेजर आरिफ अब्बास ने कहा कि हमारे शाखा में आशुतोष कुशवाहा बैंक के खाता धारक थे। आशुतोष कुशवाहा बहुत दिनों से कैंसर से पीड़ित थे। बैंक मित्र ने खाताधारकों का बीमा किया था। उनके मौत के बाद पत्नी को दो लाख का चेक दिया गया है। अत्यंत गरीब परिवार से हैं। इस रुपये से दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगी। आशुतोष कुशवाहा की पत्नी ज्योति निवासी रामगढ़ को दो लाख का चेक दिया गया है। खाता धारक ने 436 रुपये सालाना का बीमा कराया था। जिसका लाभ उनके परिवार को मिला है। उन्होंने कहा कि किसी भी ग्राहक को कोई भी समस्या हो तो शाखा में आकर बात कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि करीब तीन वर्ष पूर्व बैंक मित्र शक्ति पाल के माध्यम से मात्र 436 रुपये का प्रीमियम जमा कर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में बीमा कराया गया था। मृत्यु के बाद परिजनों ने बैंक से संपर्क किया, जिस पर विभागीय औपचारिकताएं पूर्ण कर आश्रित को बीमा राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर सहायक प्रबंधक धर्मवीर सिंह, लोन अधिकारी जितेंद्र यादव, मुकेश गुप्ता,बैंक मित्र शक्ति पाल, संदीप कुमार सहित बैंककर्मी मौजूद रहे।

क्षेत्राधिकारी यातायात सोनभद्र की अध्यक्षता में पुलिस लाइन चुर्क में नक्सल समन्वय गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरूवार को पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र के सभागार कक्ष में क्षेत्राधिकारी यातायात सोनभद्र डॉ0 चारू द्विवेदी अध्यक्षता में नक्सल समन्वय गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जनपद सोनभद्र के पुलिस, पीएसी, नक्सल कंटिजेंट सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण तथा सीमावर्ती जनपदों से आए वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। गोष्ठी के दौरान नक्सली संचरण की संभावनाओं के दृष्टिगत नक्सल प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता और निगरानी बढ़ाने, आपसी समन्वय एवं सूचना आदान-प्रदान को और अधिक सुदृढ़ करने, तथा नियमित काम्बिंग, एरिया डोमिनेशन एवं सर्च ऑपरेशन प्रभावी रूप से संचालित किए जाने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऑपरेशन

के दौरान स्थानीय ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए, उनका समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, तथा ग्रामीणों को किसी भी प्रकार के बहकावे में न आने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस/प्रशासन को देने के लिए जागरूक किया जाए। गोष्ठी में नक्सल उन्मूलन से संबंधित रणनीतियों, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय, तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान मीटिंग में उपसेनानायक नक्सल कंटिजेंट चुर्क, सहायक सेनानायक नक्सल कंटिजेंट चुर्क, प्रभारी निरीक्षक जोनल नक्सल अभिसूचना इकाई सोनभद्र, सहित जनपद के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, पीएसी पोस्ट प्रभारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

'जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

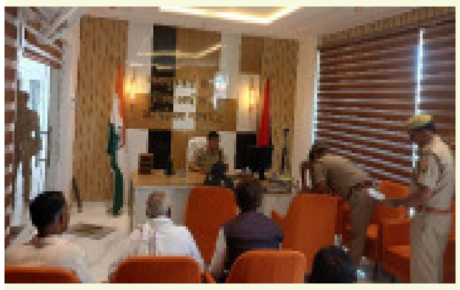

सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कांग्रेसियों ने असम मुख्यमंत्री का पुतला जलाकर जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला कांग्रेस कमेटी के

जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा का पुतला दहन किया, और बढ़ौली चौक पर एकत्रित होकर विरोध जताया। रामराज सिंह गोंड ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ अभद्र भाषा, गाली गलौज और अमर्यादित टिप्पणी पीड़ित कर असम के मुख्यमंत्री ने अपना माननीय होने का गौरव खो दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को तत्काल माफी मांगनी चाहिए और भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को उनके ऊपर कार्यवाही करनी चाहिए।इस अवसर पर पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष स्वामी अरविंद सिंह, यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शशांक मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष हाजी नूरुद्दीन खान, जिला उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष कन्हैया पांडे, आरटीआई के जिला अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, कोषाध्यक्ष राजबली पांडे, अमरेश देव पांडे, लल्लू राम पांडे, मृदुल मिश्रा, रोहिल मिश्रा, ओमप्रकाश रावत, दयाशंकर पांडे, आशीष सिंह, स्वतंत्र साहनी, प्रांजल श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार चौबे, शंकर लाल भारती, विशिष्ट चौबे, ददन प्रसाद, अनीता गोंड, रोजनी खान, पंकज मिश्रा, राहुल सिंह पटेल, गुलाब तिवारी, दयाराम प्रजापति, ऋषि राज कुमार, सुनील कुमार मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

पिता ने घर बेचा, बेटे ने सपना पूरा किया,मुकुल का शॉट मेरा पसंदीदा,केकेआर के खिलाफ 7 सिक्स लगाए

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने कहा कि वे खुद को एमएस धोनी जैसा फिनिशर बनाना चाहते हैं। जियोहॉटस्टार से बातचीत में उन्होंने बताया कि धोनी का हेलिकॉप्टर शॉट उनका पसंदीदा है। 2011 वर्ल्ड कप में धोनी की कप्तानी और फिनिशिंग उन्हें प्रेरित करती है।मुकुल के पिता खुद क्रिकेट खेलना चाहते थे, लेकिन हालात ऐसे नहीं थे कि वे पेशेवर खिलाड़ी बन पाते। इसलिए उन्होंने शादी से पहले तय कर लिया था कि उनका बेटा क्रिकेट खेलेगा। मुकुल ने बताया कि बचपन में परिवार की हालत कमजोर थी और उन्हें क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाना आसान नहीं था। उस समय उनके पिता कॉलेज में पढ़ाते थे और राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में मुकुल के पिता को फैसला लेना पड़ा- आरएएस की तैयारी जारी रखें या बेटे को क्रिकेट में आगे बढ़ाएं। उन्होंने तैयारी छोड़ दी, प्रॉपर्टी का काम शुरू किया और पैसे जुटाकर मुकुल को 12 साल की उम्र में सीकर की एसबीएस क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाया। एकेडमी तक पहुंचना आसान नहीं था। 2015 में मुकुल जन्मदिन पर अपने पिता के साथ चूरू, झुंझुनूं और सीकर में एकेडमी तलाशने निकले थे। इसी दौरान उन्हें सीकर में नई एँए क्रिकेट एकेडमी मिली और वहीं से उनका सफर शुरू हुआ। इससे पहले टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में मुकुल के पिता ने बताया था कि बेटे के लिए उन्होंने घर बेच दिया और कर्ज लिया। मुकुल के परिवार में कोई क्रिकेट बैकग्राउंड नहीं था, इसलिए उन्हें शुरुआत में खेल की ज्यादा जानकारी नहीं थी। लेकिन मेहनत और पिता के समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ाया। अंडर-23 लिस्ट-ए ट्रॉफी 2025-26 में मुकुल चौधरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 617 रन बनाए, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल थे। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2.60 करोड़ रुपए में खरीदा। यह उनकी बेस प्राइस से 13 गुना ज्यादा था। मुकुल ने अपने प्रदर्शन को पिता और अपने आदर्श एमएस धोनी को समर्पित किया। गुरुवार को लखनऊ ने आईपीएल -2026 में मुकुल की फिफ्टी की बदौलत लगातार दूसरी जीत हासिल की। टीम ने कोलकाता को 3 विकेट से हराया।एलएसजी को आखिरी 18 बॉल पर 43 रन चाहिए थे और 7 विकेट गिर चुके थे। ऐसे में मुकुल चौधरी ने 27 बॉल पर नाबाद 54 रन बनाकर टीम को हारा हुआ मैच जिता दिया।

मुकुल ने हेलिकॉप्टर शॉट पर सिक्स लगाया,दिग्वेश के कैच पर विवाद, एलन आउट,पंत-पूरन स्लोअर बाउंसर पर आउट-मोमेंट्स

कोलकाता। लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2026 के 15वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 3 विकेट से हराया। ईडन गार्डन्स में कई रोमांचक पल देखने को मिले। मुकुल चौधरी ने हेलिकॉप्टर शॉट पर सिक्स लगाया। दिग्वेश राठी के बाउंड्री कैच पर विवाद हुआ। वहीं स्लोअर बाउंसर पर ऋषभ पंत और निकोलस पूरन आउट हुए। 1. दिग्वेश के कैच पर विवाद, एलन आउट-लखनऊ के प्रिंस यादव ने अपने पहले ओवर में फिन एलन को आउट किया। 137.6 किमी/घंटा की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर एलन ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर थर्ड मैन की ओर गई। बाउंड्री लाइन के पास दिग्वेश सिंह राठी ने कैच पकड़ा। एलन 8 गेंदों में 9 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 2 चौके शामिल थे। हालांकि, इस विकेट पर विवाद हुआ। रिप्ले में दिग्वेश का पैर बाउंड्री के करीब नजर आया, लेकिन फील्ड अंपायर ने कैच को वैध मानते हुए एलन को आउट दिया। आठवें ओवर की पहली गेंद पर अजिंक्य रहाणे ने सिक्स लगाया। आवेश खान की ऑफ स्टंप के बाहर गेंद पर रहाणे ने कट लगाने की कोशिश की, लेकिन शॉट खेलते वक्त उनके हाथ से बल्ला छूटकर स्क्वेयर लेग की ओर उड़ गया। इसके बावजूद गेंद बल्ले से कनेक्ट होकर डीप बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से सिक्स के लिए गई। 10वें ओवर में दिग्वेश सिंह राठी ने अजिंक्य रहाणे को आउट किया। ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट गेंद पर रहाणे ने लेग साइड में शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन शॉट टाइम नहीं हुआ और गेंद मिडविकेट की ओर गई। यहां मोहम्मद शमी ने आगे डाइव लगाकर शानदार लो कैच पकड़ा। कैच को लेकर थर्ड अंपायर ने जांच की, लेकिन रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद सीधे शमी के हाथों में गई और उनकी उंगलियां गेंद के नीचे थीं। रहाणे 24 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुए।181 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही लखनऊ के मिचेल मार्श ने चौके से शुरुआत की। इम्पैक्ट प्लेयर वैभव अरोरा की पहली गेंद पर मार्श ने बैकफुट पर जाकर कट शॉट खेला और गेंद पॉइंट के पार बाउंड्री तक पहुंची। 5वें ओवर की पहली बॉल पर वैभव अरोरा ने ऐडन मार्करम को रोवमन पॉवेल के हाथों कैच कराया।

मार्करम 15 बॉल पर 22 रन बनाकर आउट हुए। वैभव ने तीसरी बॉल पर मिचेल मार्श को विकेटकीपर अंगकृष रघुवंशी के हाथों कैच कराया। मार्श 15 रन ही बना सके। वैभव ने स्टंप पर बॉल डाली, जो बल्ले से लगकर विकेटकीपर के दस्तानों में गई। कोलकाता के गेंदबाजों ने शॉर्ट गेंदों से लखनऊ के मिडिल ऑर्डर को झटका दिया। 8वें ओवर में कैमरन ग्रीन ने ऋषभ पंत को पवेलियन भेजा। अतिरिक्त उछाल वाली गेंद पर पंत पुल शॉट के लिए तैयार नहीं थे, गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर शॉर्ट फाइन लेग की ओर गई, जहां कार्तिक त्यागी ने कैच लपका। इसके बाद 11वें ओवर में कार्तिक त्यागी ने निकोलस पूरन को भी शॉर्ट गेंद पर फंसा लिया। पूरन ने पुल खेलने की कोशिश में टॉप एज दिया। लॉन्ग ऑन पर खड़े रमनदीप सिंह ने कैच पकड़ा। पूरन 15 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुए। 15वें ओवर में आयुष बडोनी ने सिक्स लगाकर अर्धशतक पूरा किया। अनुकूल रॉय की फुलटॉस गेंद पर बडोनी ने आगे बढ़कर शॉट खेला और वाइड लॉन्ग ऑन के ऊपर से सिक्स जड़ा। हालांकि, अगली गेंद पर अनुकूल रॉय ने वापसी करते हुए बडोनी को पवेलियन भेज दिया। बडोनी ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे रिंकू सिंह के हाथों में गई।

16वें ओवर में मुकुल चौधरी ने हेलिकॉप्टर शॉट खेलते हुए सिक्स लगाया। वैभव अरोड़ा की फुल लेंथ गेंद, जो लेग स्टंप के बाहर थी, उस पर मुकुल ने कलाईयों का इस्तेमाल करते हुए शॉट खेला और गेंद लॉन्ग ऑन के ऊपर से बाउंड्री के पार पहुंची। 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मुकुल चौधरी ने सिक्स लगाकर अर्धशतक पूरा किया। वैभव अरोड़ा की फुल और ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर मुकुल ने क्रीज में जगह बनाकर शॉट खेला और गेंद स्वीपर कवर के ऊपर से सिक्स के लिए भेजी।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम टॉप पर,4 गोल्ड, 2 सिल्वर समेत 10 मेडल जीते; जरीन-लवलीना के नाम ब्रॉन्ज

मंगोलिया। मंगोलिया में हुए एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारतीय महिला टीम ने टॉप किया। टीम ने 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज समेत कुल 10 मेडल जीते। टीम की हर खिलाड़ी मेडल जीतकर लौटी। कोच सैंटियागो निवा की अगुआई में मीनाक्षी (48किग्रा), प्रीति (54किग्रा), प्रिया (60किग्रा) और अरुंधति (70किग्रा) ने गोल्ड जीते। मीनाक्षी ने मंगोलिया की नोमुंदारी एन्ख-अमगालन को 5-0 से हराकर पहला गोल्ड दिलाया। इसके बाद प्रीति ने चीनी ताइपे की तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन हुआंग शियाओ-वेन को 5-0 से हराया। प्रीति ने टोक्यो ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हुआंग के खिलाफ दबदबा बनाए रखा। वहीं, प्रिया घनघास ने नॉर्थ कोरिया की वोन उन-ग्योंग को 3-0 से हराकर गोल्ड जीता। अरुंधति चौधरी ने कजाकिस्तान की बाकित सेइदीश को 4-1 से हराकर भारत के लिए चौथा गोल्ड जीता। चारों भारतीय खिलाड़ियों ने फाइनल जीतकर टॉप पोडियम हासिल किया। 57ु फाइनल में भारत को झटका लगा। जैसमीन लांबोरिया को थाईलैंड की पुनरावी रूएनरोस ने 5-0 से हराया। अल्फिया पठान (80किग्रा से अधिक) ने सिल्वर मेडल जीता, लेकिन फाइनल में कजाकिस्तान की दीना इस्लामबेकोवा से 0-5 से हार गईं। वह जैसमीन के साथ दूसरी भारतीय रहीं जिन्हें सिल्वर मिला। इससे पहले हफ्ते में निकहत जरीन (54किग्रा), अंकुशिता बोरों (65किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75किग्रा) और पूजा रानी (80किग्रा) ने सेमीफाइनल में हार के बाद ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। कुछ वेट कैटेगरी में कम खिलाड़ियों की वजह से लवलीना, पूजा और अल्फिया को केवल भाग लेने पर ही मेडल मिल गया। पुरुष वर्ग में विश्वनाथ सुरेश (48किग्रा) और सचिन सिवाच (60किग्रा) शुक्रवार को अपने-अपने फाइनल मुकाबले खेलेंगे।

सोया चंक्स के हेल्थ बेनिफिट्स,डाइटीशियन से जानें किन्हें नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। सोया चंक्स शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है। इसमें प्रोटीन के साथ फाइबर, कैल्शियम और आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं। ये मसल्स और हड्डियों को मजबूत रखने व शरीर की इम्यूनिटी को सपोर्ट करने में मदद करता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइडटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से. 'नेशनल सेंटर फॉर कॉम्प्लिमेंटरी एंड इंटीग्रेटिव हेल्थ ' के मुताबिक, सोया चंक्स कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में मददगार हैं। इससे महिलाओं में मेनोपॉज के दौरान होने वाले हॉट फ्लैशेज (अचानक तेज गर्मी महसूस होना) से भी राहत मिलती है। कुछ स्टडीज में पता चला है कि इससे ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क भी कम हो सकता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत रखने और ब्लड प्रेशर को संतुलित करने में भी मददगार है। हालांकि, हर व्यक्ति में इसका प्रभाव अलग हो सकता है। फिर भी संतुलित मात्रा में सोया चंक्स आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद है। सवाल- सोया चंक्स में कौन-कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं? जवाब- 'यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ' के मुताबिक, 100 ग्राम सोया चंक्स में लगभग 50 ग्राम प्रोटीन होता है, जो मसल बिल्डिंग और रिकवरी के लिए बेहद फायदेमंद है। सोया चंक्स वेजिटेरियन और वीगन लोगों के लिए प्रोटीन का एक बेहतरीन सोर्स है। इसमें कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी मिनरल्स भी पाए जाते हैं।सवाल- सोया चंक्स कैसे तैयार किए जाते हैं? जवाब- सोयाबीन से तेल निकालने के बाद बचे हुए हिस्से को बारीक पीस लिया जाता है। फिर इसे प्रोसेस करके 'सोया चंक्स' बनाए जाते हैं। इसे बनाने की प्रक्रिया समझिए- कच्चे सोयाबीन से तेल निकालकर बचे हुए 'डी-फैटेड सोया फ्लोर' को पानी के साथ मिक्सर में मिलाया जाता है, जिससे गाढ़ी स्लरी बनती है। यह स्लरी सोया नगेट 'एक्सट्रूडर कुकिंग मशीन' में डाली जाती है। इसके अंदर स्लरी को हाई टेम्परेचर और प्रेशर पर पकाया जाता है। मशीन पके हुए सोया पेस्ट को कटर की मदद से

छोटे-छोटे टुकड़ों में काट देती है। यह प्रक्रिया हाई प्रेशर में होती है, जिससे सोया चंक्स को स्पंजी टेक्सचर मिलता है। इन छोटे-छोटे टुकड़ों को ड्रायर में सुखा लिया जाता है। इनकी क्वालिटी जांचकर अंत में पैक करके बाजार में भेज दिया जाता है।सवाल- सोया चंक्स हमारी सेहत के लिए कितने फायदेमंद हैं? जवाब- सोया चंक्स एक हाई-प्रोटीन, लो-फैट और फाइबर से भरपूर फूड है, जो शरीर की कई जरूरतों को पूरा करता है। जैसेकि- सोया चंक्स में लगभग 52फीसदी प्रोटीन होता है, जो मसल्स ग्रोथ और रिपेयर में मदद करता है। हाई फाइबर और लो फैट होने के कारण इससे पेट देर तक भरा रहता है। यह वेट मैनेजमेंट में सपोर्ट करता है। बैड कोलेस्ट्रॉल कम करके हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करता है। कैल्शियम और फॉस्फोरस से भरपूर होने के कारण हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है। आयरन से भरपूर होने के कारण हीमोग्लोबिन लेवल सुधारने में मदद करता है।इसमें मौजूद डाइटरी फाइबर पाचन बेहतर करता है। यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने में भी मदद करता है। सोया चंक्स में पौधे में पाया जाने वाला 'आइसोफ्लेवोन्स' कंपाउंड होता है। ये मेनोपॉज से गुजर रही महिलाओं में हॉट फ्लैशेज जैसी समस्याओं को कम करता है। इसमें मौजूद फॉस्फोरस ब्रेन फंक्शन और मेमोरी को सपोर्ट करता है।सवाल- सोया चंक्स को अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं? जवाब- इसे अपनी रोजमर्रा की डाइट में आसानी से शामिल कर सकते हैं। जैसेकि- इसे सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। चावल से बने व्यंजन जैसे, पुलाव या फ्राइड राइस में इस्तेमाल हो सकता है। इसे सूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। सोया चंक्स को उबालकर सलाद में मिला सकते हैं। इसे सब्जियों के साथ हल्का सा भूनकर भी खा सकते हैं।सवाल- क्या सोया चंक्स के ज्यादा सेवन से कोई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? जवाब- हां, इसके ज्यादा सेवन के कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। जैसेकि- गैस, सूजन, अपच, दस्त, कुछ लोगों में सोया से एलर्जी भी होती है, जिससे खुजली, रैशेज या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। सोया में मौजूद 'फाइटोएस्ट्रोजेन थायरॉइड' से पीड़ित लोगों में हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है। सवाल- एक दिन में कितना सोया चंक्स खाना सुरक्षित है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए एक दिन में 25 से 30 ग्राम सोया चंक्स सुरक्षित है। पकाने के बाद यह मात्रा लगभग एक बटे दो से 1 कटोरी हो जाती है।सवाल- क्या डायबिटिक लोग सोया चंक्स खा सकते हैं? जवाब- हां, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होता है। इसलिए यह ब्लड शुगर धीरे-धीरे बढ़ाता है। यह डायबिटिक लोगों के लिए बेहतर विकल्प है। सवाल- क्या बच्चों को सोया चंक्स देना सही है? जवाब- हां, सीमित मात्रा में बच्चों को सोया चंक्स दिया जा सकता है।

ये उनकी ग्रोथ, मसल डेवलपमेंट और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर बच्चे को कोई हेल्थ कंडीशन है तो पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। सवाल- किन लोगों को सोया चंक्स नहीं खाना चाहिए? जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि कुछ लोगों के लिए सोया चंक्स नुकसानदायक हो सकते हैं। सवाल- मार्केट से सोया चंक्स खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- सोया चंक्स खरीदते समय उनकी क्वालिटी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। जैसेकि- पैकेट पर एफएसएसएआई नंबर जरूर देखें। मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट भी चेक करें। देखें कि पैकेट सील्ड है या नहीं। अजीब गंध वाले सोया चंक्स न खरीदें। ब्रांडेड और भरोसेमंद कंपनी के सोया चंक्स चुनें। इंग्रीडिएंट लिस्ट देखें। चेक करें कि इसमें अनावश्यक केमिकल या एडिटिव्स न हों।

मैं हर वक्त ओवरथिंकिंग करता हूं,चाहकर भी ब्रेन को कंट्रोल नहीं कर पाता,क्या करूं

नयी दिल्ली। ओवरथिंकिंग एक ऐसा मेंटल प्रोसेस है, जिसमें व्यक्ति छोटी-छोटी घटनाओं के बारे में भी जरूरत से ज्यादा सोचता है और उसे बहुत बड़ा बना देता है। यह आदत धीरे-धीरे एंग्जाइटी और इनसिक्योरिटी को बढ़ाती है। इससे सेल्फ डाउट पैदा होता है। व्यक्ति

फैक्ट और उस फैक्ट के अपने इंटरप्रिटेशन में फर्क नहीं कर पाता। इसका असर इमोशंस और व्यवहार, दोनों पर पड़ता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 28 साल का हूं और पेशे से इंजीनियर हूं। मैं हर चीज के बारे में बहुत ज्यादा सोचता हूं। मेरे मन में हमेशा बुरे ख्याल ही आते हैं। जैसे अगर पापा ने फोन पर कहा कि वो मेरे पास नहीं आ रहे हैं तो मैं घंटों ये सोचता रहूंगा कि क्या मेरी कोई बात उन्हें बुरी लग गई। क्या मुझसे कोई गलती हुई है, क्या मैंने पिछली बार कुछ कह दिया था। और ये हमेशा हरेक चीज के बारे में होता है। अगर लैंडलॉर्ड अंकल भी स्माइल का जवाब न दें तो मेरे मन में अजीब-अजीब से बुरे ख्याल आने लगते हैं कि ये मुझसे नाराज हैं। अब ये मुझे घर से निकाल देंगे। क्या ये सिर्फ ओवरथिंकिंग है या कुछ और। मैं इस प्रॉब्लम से कैसे बाहर निकलूं? जवाब-केस का मनोवैज्ञानिक आकलन-1. मूल समस्या क्या है-इस केस में मुख्य समस्या घटना नहीं, बल्कि उसकी नकारात्मक व्याख्या है। जैसेकि- व्यक्ति छोटी-छोटी सोशल या इंटरपर्सनल घटनाओं का बहुत बड़ा अर्थ निकालता है। वह अस्पष्ट स्थितियों को नकारात्मक तरीके से समझता है। जरा सी बात को तुरंत अपनी गलती, अपनी कमी या अपना रिजेक्शन मान लेता है। उसका दिमाग एक ही विचार पर घंटों अटका रहता है। वह भविष्य को लेकर सबसे बुरी संभावना के बारे में सोचता है। 2. सोचने का तरीका (कॉग्निटिव पैटर्न) यहां सोच का एक खास तरह का पैटर्न दिखता है-माइंड रीडिंग (दूसरों के मन को पढ़ लेना) बिना किसी सबूत के मान लेना कि सामने वाला क्या सोच रहा है। पर्सनलाइजेशन (हर चीज खुद से जोड़ लेना) कुछ भी बुरा हो तो ये मान लेना कि ऐसा मेरी वजह से हुआ है।कैटेस्ट्रोफाइजिंग (सबसे बुरा सोच लेना) छोटी घटना से सीधे बड़े नतीजे पर पहुंच जाना। अब इस बात को अपने ही दिए उदाहरण से समझें। केस 1: पापा का न आना-फैक्टः पापा मिलने नहीं आ रहे हैं। इंटरप्रिटेशनः-'क्या मैंने कुछ गलत कहा?' 'क्या वो मुझसे नाराज हैं?' 'क्या मुझसे कोई गलती हो गई?' यहां दिक्कत ये है कि दिमाग 'फैक्ट' से सीधे 'सेल्फ ब्लेम' पर चला जाता है। केस 2: मकान मालिक ने स्माइल का जवाब नहीं दिया। फैक्टः उन्होंने स्माइल के जवाब में स्माइल नहीं दी। इंटरप्रिटेशनः-'वो मुझसे नाराज हैं।' 'अब वो मुझे घर से निकाल देंगे।' यहां एक न्यूट्रल घटना को भी खतरे की तरह देखा जा रहा है। 3. इसलिए बढ़ रही ओवरथिंकिंग-इवेंट- घटना समस्या नहीं है। इंटरप्रिटेशन- उसकी व्याख्या समस्या है। दिमाग अनिश्चितता को सहन नहीं कर पाता। इसलिए जल्दी से एक नेगेटिव कहानी बना देता है। यह कहानी बार-बार दोहराई जाती है, जिससे ओवरथिंकिंग बढ़ती है। ओवरथिंकिंग के संकेत-तिल का ताड़ और राई का पहाड़ बनाने से लेकर हमेशा बुरी और नेगेटिव संभावनाओं के बारे सोचना ओवरथिंकिंग का संकेत हो सकता है। करें सेल्फ एसेसमेंट-यहां मैं आपको एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट दे रहा हूं। नीचे ग्राफिक्स में 7 सेक्शंस में कुल 21 सवाल हैं। आपको इन सवालों को ध्यान से पढ़ना है और 0 से 3 के स्केल पर इसे रेट करना है। जैसेकि पहले सवाल के लिए आपका जवाब अगर 'कभी नहीं' है तो 0 नंबर दें और अगर आपका जवाब 'लगभग हमेशा' है तो 3 नंबर दें। अंत में अपने टोटल स्कोर की एनालिसिस करें। नंबर के हिसाब से उसका इंटरप्रिटेशन भी ग्राफिक में दिया है। अगर आपका टोटल स्कोर 0 से 12 के बीच है तो आप में ओवरथिंकिंग का मामूली पैटर्न है। लेकिन अगर आपका स्कोर 37 से 54 के बीच है तो आप में ओवरथिंकिंग का स्ट्रॉन्ग पैटर्न है। ऐसे में स्ट्रक्चर्ड थेरेपी मददगार हो सकती है। ओवरथिंकिंग से बाहर निकलने का रास्ता-ओवरथिंकिंग का लक्ष्य 'सोचना बंद करना' नहीं है। इसका लक्ष्य है, सोचने के तरीके को बदलना ताकि व्यक्ति अपने विचारों को पहचान सके, उन्हें जांच सके और एक संतुलित सोच विकसित कर सके। ट्रीटमेंट का मकसद-ऑटोमैटिक आने वाले विचारों को समझना। तथ्य (फैक्ट) और व्याख्या (इंटरप्रिटेशन) में फर्क करना। वैकल्पिक और संतुलित सोच विकसित करना।सबसे बुरा सोचने की आदत को ब्रेक करना। कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (सीबीटी) के प्रमुख स्टेप्स-1. ट्रिगर पहचानना- हर बार जब ओवरथिंकिंग शुरू हो तो खुद से तीन सवाल पूछेंः क्या हुआ? मैंने उसका क्या मतलब निकाला? मुझे कैसा महसूस हुआ? इससे दिमाग 'ऑटो-पायलट' मोड से बाहर आता है।2. ऑटोमैटिक थॉट पकड़ना-

हवाई चिंता नहीं करनी, बल्कि एकदम ठोस वाक्य लिखना है। जब मन कहे कि लोग तुमसे नाराज हैं तो कागज पर फैक्ट लिखें कि मैंने क्या गलत किया है। 3. अपनी सोच को लेबल देना-हर विचार के साथ उसकी गलती पहचानें। जैसे- मैं दूसरे का दिमाग पढ़ रहा था। सच मुझे नहीं पता। मैं इसे जबरन खुद से जोड़कर देख रहा था। इस घटना का मुझसे कोई संबंध नहीं है। 4. सबूत की जांच करना-मन में जो भी विचार आए, उसके लिए एक एविडेंस शीट बनाएं और लिखें- इस विचार के पक्ष में एविडेंस- इस विचार के विरोध में एविडेंस 5. संतुलित विचार बनाना- विचार को नेगेटिव से पॉजिटिव पर नहीं ले जाना है। उसे रियलिस्टिक ही रहने देना है। जैसेकि- 'सिर्फ किसी के न आने से ये साबित नहीं होता कि वह मुझसे नाराज है।' 6. संभावना को दोबारा आंकना-नतीजा निकालने से पहले खुद से पूछेंः 'ये बात सच होने की संभावना कितनी है?' इससे डर का आंकलन करने और उसे कम करने में मदद मिलती है। 7. प्रैक्टिकल प्रयोग करना-किसी घटना पर तुरंत निष्कर्ष न निकालें। 24 घंटे का नियम अपनाएं। 24 घंटे बाद ही नतीजे पर पहुंचें। 8. क्लैरिफिकेशन टेस्ट-जब किसी की बात, रिएक्शन या बिहेवियर से कोई कनफ्यूजन हो तो सीधे निष्कर्ष न निकालें। विनम्रता से पूछ लें। 9. एविडेंस लॉग-7 दिनों तक एक एविडेंस लॉग बनाएं और उसमें रोज नोट करें- मैंने क्या सोचा। असल में क्या हुआ। 10. रूमिनेशन पर कंट्रोल-एक ही थिंकिंग लूप में न फंसें।सोचने के लिए 10 मिनट फिक्स करें। उसके बाद अपना ध्यान किसी दूसरे काम में लगाएं।जब ब्रेन अपने प्रयासों से कंट्रोल न हो पाए और ओवरथिंकिंग का पैटर्न डिप्रेशन में बदलने लगे तो प्रोफेशनल हेल्प जरूरी है। नीचे ग्राफिक में सारे कारण देखें और इन स्थितियों में प्रोफेशनल मदद जरूर लें। जैसाकि हमने ऊपर समझा कि आपकी मुख्य समस्या है- अस्पष्ट स्थितियों को नकारात्मक अर्थ देना और उसके लिए खुद को दोषी मानना। कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी का मूल मंत्र ही यही है कि हर विचार सच नहीं होता। वह आपका इंटरप्रिटेशन हो सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वो फैक्ट हो। यह समझ ही ओवरथिंकिंग के चक्र को तोड़ने की कुंजी है।

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्मयकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?र्जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए है और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

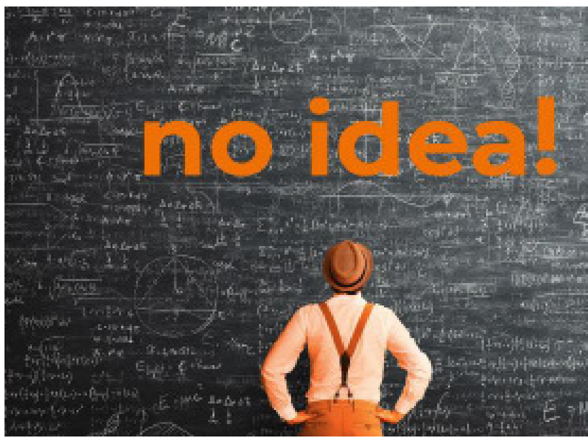

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैंने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैंने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है।

हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ...और गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है। पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है। कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है।

इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं।

ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।

चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विजन' एतिहासिक दस्तावेज है। ये रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझेंः एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया। लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

इस लड़ाई से अमेरिकियों के कौन-से हित पूरे हो रहे हैं?

ईरान मानव इतिहास की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। हमने कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या वर्चस्व का मार्ग नहीं चुना। यहां तक कि वैश्विक शक्तियों के कब्जे, आक्रमण और निरंतर दबाव झेलने के बाद भी- और अपने कई पड़ोसियों पर सैन्य बढ़त होने के बावजूद- ईरान ने कभी युद्ध की शुरुआत नहीं की। यही कारण है कि ईरान को एक खतरे के रूप में प्रस्तुत करना न तो ऐतिहासिक वास्तविकता के अनुरूप है और न ही वर्तमान के तथ्यों के। ऐसी धारणा शक्तिशाली ताकतों की राजनीतिक और आर्थिक मनमानी का परिणाम है। उन्हें अपने दबावों को उचित ठहराने, सैन्य प्रभुत्व बनाए रखने, अपने हथियार उद्योग को कायम रखने और रणनीतिक बाजारों पर नियंत्रण के लिए एक दुश्मन गढ़ने की आवश्यकता होती है। अमेरिका ने ईरान के चारों ओर अपने सैनिकों, सैन्य ठिकानों और क्षमताओं का सबसे बड़ा जमावड़ा किया है। ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहा कोई भी देश अपनी रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करने से परहेज नहीं करेगा। ईरान ने जो किया है- और करता रहा है- वह आत्मरक्षा पर आधारित एक संतुलित प्रतिक्रिया है, न कि किसी भी रूप में युद्ध या आक्रामकता की शुरुआत। ईरान और अमेरिका के संबंध प्रारंभ से शत्रुतापूर्ण नहीं थे। लेकिन निर्णायक मोड़ अमेरिका का वह हस्तक्षेप था, जिसका उद्देश्य ईरान के अपने संसाधनों के राष्ट्रीयकरण को रोकना था। इसने ईरान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया और अमेरिकी नीतियों के प्रति ईरानियों में गहरा अविश्वास पैदा किया।यह अविश्वास आगे और गहराया- शाह के शासन के प्रति अमेरिका के समर्थन, 1980 के दशक के थोपे गए युद्ध में सद्दाम हुसैन के प्रति उसके समर्थन, आधुनिक इतिहास के सबसे लंबे और व्यापक प्रतिबंधों को थोपने और अंततः- जब बातचीत चल ही रही थी, तब उसके बीच- दो बार ईरान पर बिना किसी उकसावे के सैन्य आक्रामकता से।फिर भी, ईरान कमजोर नहीं पड़ा। इसके विपरीत, वह कई क्षेत्रों में और सशक्त हुआ है : साक्षरता दर लगभग 30फीसदी (इस्लामी क्रांति से पहले) से बढ़कर आज 90फीसदी से अधिक हो गई है; उच्च शिक्षा का व्यापक विस्तार हुआ है; आधुनिक टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है; स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है; और बुनियादी ढांचे का विकास पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी और पैमाने पर हुआ है। प्रतिबंधों, युद्धों और आक्रामकता के ईरानी जनता के जीवन पर पड़ने वाले विनाशकारी और अमानवीय प्रभावों को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। सैन्य आक्रामकता की निरंतरता और हालिया बमबारी लोगों के जीवन, दृष्टिकोण और सोच पर गहरा असर डालती है। जब युद्ध जीवन, घरों, शहरों और भविष्य को अपूरणीय क्षति पहुंचाता है, तो लोग इसके लिए जिम्मेदार लोगों के प्रति उदासीन नहीं रह सकते। इस युद्ध से अमेरिकी जनता के किन हितों की पूर्ति हो रही है? क्या ऐसे व्यवहार को उचित ठहराने के लिए ईरान से कोई वास्तविक खतरा मौजूद था? क्या निर्दोष बच्चों की हत्या, कैंसर-उपचार से संबंधित फार्मास्यूटिकल सुविधाओं का विनाश या किसी देश को पाषाण युग में वापस भेजने की शेखी बघारना- इन सबका कोई उद्देश्य है? ईरान ने वार्ताओं का मार्ग अपनाया, समझौते तक पहुंचा और सभी प्रतिबद्धताओं का पालन किया। उस समझौते से हटने, टकराव की ओर बढ़ने और वार्ताओं के बीच आक्रामक कार्रवाइयां करने का निर्णय अमेरिकी सरकार द्वारा लिया गया। ईरान के जरूरी बुनियादी ढांचों पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाना है। यह न केवल एक युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है, बल्कि इसके परिणाम ईरान की सीमाओं से कहीं आगे तक फैलते हैं। क्या यह एक तथ्य नहीं है कि अमेरिका इस आक्रामकता में इजराइल के प्रतिनिधि के रूप में, उसके प्रभाव में शामिल हुआ है? और क्या यह भी सच नहीं है कि इजराइल, ईरान के खतरे का निर्माण करके फिलिस्तीनियों के विरुद्ध अपने कृत्यों से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है? आज दुनिया एक चौराहे पर है। टकराव के मार्ग पर बढ़ते रहना पहले से कहीं अधिक महंगा और बेकार है। टकराव और सहभागिता के बीच क्या चुनें, इसका निर्णय आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को आकार देगा। क्या यह तथ्य नहीं है कि अमेरिका इस युद्ध में इजराइल के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुआ है? क्या यह भी सच नहीं है कि इजराइल ऐसा करके फिलिस्तीनियों के विरुद्ध अपने कृत्यों से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है?(मसूद पेजेश्कियान)

ईरान की जंग में ट्रंप ने अमेरिका को पीछे किया,सीजफायर को मजबूर हुआ सुपरपावर,विशेषयज्ञों ने कहा..

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब धमकी दी कि आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, तो पूरी दुनिया हिल गई। अगर यह धमकी सच में पूरी होती, तो ट्रंप का नाम इतिहास में 13वीं सदी के मंगोल शासक ओगेदेई खान के साथ लिखा जाता। ओगेदेई के हमलों ने फारसी सभ्यता को मिटा देने के कगार पर ला दिया था। हमले जारी। ट्रंप हालांकि अपनी ही तय की हुई डेडलाइन से पीछे हट गए और ईरान के साथ दो हफ्ते के संघर्ष विराम का ऐलान किया। वैसे सच यह भी है कि सीजफायर घोषित होने के बावजूद धमकियां और हमले जारी हैं। इजरायल अब लेबनान पर पहले से ज्यादा बम बरसा रहा है और ट्रंप ने कह दिया है कि अमेरिकी सेना क्षेत्र में तैनात रहेगी। इस पूरे घटनाक्रम से अमेरिकी सैन्य क्षमता की विश्वसनीयता को जबरदस्त धक्का लगा है। ईरान में ट्रंप बहुत बड़े लक्ष्य लेकर उतरे थे - इस्लामिक शासन को गिराना, मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना और होर्मुज स्ट्रेट पर मंडरा रहे खतरे को हटाना। 40 दिनों की बमबारी के बाद तस्वीर यह है कि तेहरान में अब भी इस्लामिक रेजीम है, ईरान की मिसाइल क्षमता को नुकसान जरूर पहुंचा पर वह कायम है और उसके पास 60इ तक एनरिच किया हुआ 440 किलो यूरेनियम मौजूद है। इस संघर्ष में होर्मुज एक बड़ा मुद्दा रहा, पर हकीकत यह है कि वह रास्ता तो कभी पूरी तरह बंद नहीं रहा। ईरान ने केवल अमेरिका-इजरायल और उनके सहयोगियों के जहाजों की आवाजाही पर पाबंदी लगाई थी। अब इस के खुलने को बहुत बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया जा रहा है, जो महंगे सैन्य अभियान के बाद मिली है। जंग शुरू होने के पहले ओमान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता चल रही थी। जिनेवा में हुई बातचीत में दोनों पक्षों ने एक व्यवहारिक ढांचा तैयार कर लिया था। इसके मुताबिक, ईरान ने संवर्धित यूरेनियम का भंडार नहीं बढ़ाने, मौजूदा स्टॉक को फ्यूल ग्रेड लेवल तक लाने और ई के वेरिफिकेशन की बात मान ली थी। लेकिन, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर बमबारी शुरू की, तो यह समझौता भी खत्म हो गया। अब जब इस्लामाबाद में फिर से बातचीत शुरू होगी, तो उस पुरानी सहमति तक पहुंचना बहुत बड़ी चुनौती होगी। लगातार धमकियों और आखिरी वक्त पर पीछे हटने से इस सीजफायर के लिए रास्ता बना। ट्रंप डेडलाइन बदलते रहे और इससे चेतावनियों का असर धीरे-धीरे कम हो गया। अमेरिका दावा करता रहा कि ईरान की ताकत कम हो गई है, जबकि वह जिद के साथ अड़ा रहा। आखिर में यह साफ हो गया कि ईरान की क्षमता और प्रतिरोध की ताकत, दोनों कायम हैं। अमेरिका के पूर्ण प्रभुत्व का नैरेटिव अधूरा है। सीजफायर की कहानी में पाकिस्तान को एक ईमानदार मध्यस्थ के रूप में दिखाया गया, लेकिन ऐसे संकेत मिलते हैं कि शहबाज शरीफ की अपील को वाइट हाउस में तैयार किया गया था। इसका मतलब है कि पाकिस्तान ने उतनी मध्यस्थता नहीं की, जितना अमेरिका को बच निकलने का रास्ता दिया। छह हफ्ते लंबे संघर्ष में अगर कोई स्पष्ट विजेता है, तो पाकिस्तान। इजरायल ने सार्वजनिक रूप से सीजफायर का समर्थन किया है, लेकिन उसकी रणनीतिक प्राथमिकता अब अमेरिका से अलग हो सकती है। कई जानकारों का मानना है कि अमेरिका ने इजरायली हितों के लिए हमले शुरू किए थे। अब आगे इजरायल समझौते को मानता है या नहीं- इससे ही भविष्य तय होगा। अमेरिका को मिली चोट युद्ध की लागत से कहीं ज्यादा है। यूरोपीय देशों का मदद के लिए आगे न आना नाटो पर असर डालेगा, इंडो-पैसिफिक रीजन में वॉशिंगटन कमजोर पड़ सकता है। चीन पर बात करना भी बनता है, जिसकी भूमिका काफी हद तक पर्दे के पीछे रही। शांति पहल पर चर्चा के लिए पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार चीन गए थे। असीम मुनीर भी वहां जा सकते हैं। चीन ने पीछे रहकर इस्लामाबाद का समर्थन किया। अब बातचीत बदले हुए माहौल में होगी। अमेरिका अब भी सैन्य रूप से मजबूत है, पर जाहिर हो चुका है कि ताकत के बल पर वह राजनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं कर सकता। बिना शर्त जीत की भाषा बोलने वाले ट्रंप को अब वास्तविक समझौते के तर्क को समझना पड़ सकता है।

खुशहाल देशों की नई लिस्ट देख दुनिया हैरान, भारत की रैंकिंग सुधरी लेकिन पाकिस्तान आगे

लंदन। दुनिया की टॉप-10 खुशहाल देशों की लिस्ट के कई अमीर देश गायब हैं। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 के मुताबिक फिनलैंड को लगातार नौवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश घोषित किया गया है। मार्च 2026 में जारी की गई इस रैंकिंग में नॉर्डिक देशों का दबदबा कायम है। वहीं कोस्टा रिका जो एक छोटा देश है उसने एक बड़ी छलांग लगाते हुए अब तक की अपनी सबसे ऊंची रैंक हासिल की है। हालांकि वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में लंबे समय से नॉर्डिक देशों का ही दबदबा रहा है लेकिन 2026 में एक चौंकाने वाला बदलाव देखने को मिला। रिपोर्ट जारी होने के 14 साल के इतिहास में पहली बार किसी लैटिन अमेरिकी देश ने शीर्ष पांच देशों में अपनी जगह बनाई है और वो कोस्टा रिका है। इसने लगातार कई सालों से अपनी रैंकिंग बढ़ाई थी और अब उसे चौथे स्थान पर रखा गया है जो 2023 में उसके 23वें स्थान से एक बड़ी छलांग है। गैलप, ऑक्सफ़ोर्ड वेलबीइंग रिसर्च सेंटर और यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी करता है। दुनिया के 140 देशों के निवासियों के जीवन के मूल्यांकन के आधार पर इस रिपोर्ट कौ तैयार किया जाता है। इस मूल्यांकन में जीडीपी, सामाजिक सहयोग, जीवन प्रत्याशा, अपनी मर्जी से जीवन जीने की आजादी, उदारता और भ्रष्टाचार जैसे कारकों को भी शामिल किया जाता है। लगातार दूसरे साल कोई भी प्रमुख अंग्रेजी भाषी देश शीर्ष 10 में जगह नहीं बना पाया। ऑस्ट्रेलिया 15वें, संयुक्त राज्य अमेरिका 23वें, कनाडा 25वें और यूके 29वें स्थान पर रहा। पहले नंबर पर फिनलैंड, दूसरे नंबर पर आइसलैंड, तीसरे नंबर पर डेनमार्क, चौथे नंबर पर कोस्टा रिका और पांचवें नंबर पर स्वीडन है। छठे नंबर पर नॉर्वे, सातवें नंबर पर नीदरलैंड, आठवें नंबर पर इजरायल, नौवें नंबर पर लग्जमबर्ग और दसवें नंबर पर स्विट्जरलैड है।वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में कहां हैं भारत और पाकिस्तान? वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में भारत और पाकिस्तान की स्थिति में कुछ सुधार तो हुआ है लेकिन दोनों देश अभी भी वैश्विक सूची में काफी नीचे हैं। इस साल की रिपोर्ट में 'सोशल मीडिया और युवाओं की खुशहाली' पर विशेष ध्यान दिया गया है। हैरानी की बात ये है कि इस लिस्ट में भारत से ऊपर पाकिस्तान को रखा गया है। इस लिस्ट में जहां भारत को 116वें नंबर पर रखा गया है वहीं पाकिस्तान को 104 नंबर पर रखा गया है। इसमें कहा गया है कि भारत में जहां बुजुर्गों में जीवन संतुष्टि बढ़ी है वहीं पाकिस्तान में सामाजिक सहयोग में सुधार देखा गया है।

लंदन की सड़कों पर पान थूकना भारतीय मूल के 2 लोगों को पड़ा महंगा, देना होगा 1,72,000 का जुर्माना

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की एक काउंसिल ने भारतीय मूल के दो लोगों पर पान थूकने के लिए भारी जुर्माना लगाया है। ब्रेंट इलाके में पान थूकने के लिए इन दोनों पर 1300 पाउंड से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने का सामने करने वाले दो लोगों में अक्षतकुमार भाद्रे पटेल और हितेश पटेल शामिल हैं। ब्रेंट काउंसिल ने हालिया समय में सड़कों पर पान या गुटखा थूकने के खिलाफ अभियान चलाते हुए लगातार जुर्माना वसूला है। ब्रेंट काउंसिल ने एजवेयर में रहने वाले 31 साल के अक्षतकुमार भाद्रे पटेल पर नॉर्थ वेस्ट लंदन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1,391 पाउंड (1 लाख, 72 हजार रुपए) का जुर्माना लगाया है। वह अपनी सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश नहीं हुए तो उनकी गैर-मौजूदगी में उन पर आरोप साबित हो गया। उन्हें 11 जून, 2025 को किंग्सबरी में सड़क पर पान थूकने का दोषी पाया गया। पान थूकने पर जुर्माना 100 पाउंड (12,000 रुपये) का है लेकिन अक्षतकुमार ने इसे नहीं भरा और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। कोर्ट में जुर्माना बढ़कर 1,391 पाउंड हो गया। दूसरे शख्स रुइसलिप में रहने वाले 32 साल के हितेश पटेल हैं। हितेश पर भी उसी कोर्ट ने 12 जून, 2025 को वेम्बली हिल में सड़क पर पान थूकने के लिए 1,391 पाउंड का जुर्माना लगाया है। अक्षत की तरह ही हितेश भी अपनी सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश नहीं हुए थे। ऐसे में उनकी गैरमूजदगी में ना सिर्फ उन पर आरोप साबित हुए बल्कि उनका जुर्माना भी बढ़ा दिया गया।

ब्रेंट काउंसिल पान थूकने वालों पर खासतौर से सख्त है। इसकी वजह ये है कि पीक साफ करने में सफाई कर्मचारियों को बहुत ज्यादा मुश्किल आती है। लंदन के अलग-अलग इलाकों में काउंसिल के अधिकारी रोजाना गश्त करते हैं।

पान थूकते हुए पकड़े जाने पर 100 पाउंड का जुर्माना लगाया जाता है। पान थूकते हुए पकड़े जाने वाला शख्स अगर जुर्माना नहीं भरा जाता है तो काउंसिल उस व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई कर सकती है। भारतीय मूल के दोनों लोगों पर भी काउंसिल ने कार्रवाई की है।

जयशंकर की भविष्यवाणी सच हुई, ब्रिटेन ने मिडिल ईस्ट संघर्ष से पल्ला झाड़ा, बोला- यह हमारा युद्ध नहीं

लंदन। यूरोप पर की गई विदेश मंत्री एस जयशंकर की भविष्यवाणी सच साबित हुई है। उन्होंने कई साल पहले सार्वजनिक मंच से यूरोप की मानसिकता पर गंभीर सवाल उठाए थे। तब जयशंकर ने कहा था कि यूरोप यह मानता है कि उसकी समस्या दुनिया की समस्या है, लेकिन दुनिया की समस्या यूरोप की समस्या नहीं है। जयशंकर के इस बयान का वीडियो खूब चर्चा में रहा था। आज मध्य पूर्व संकट पर ब्रिटेन के नेतृत्व में बुलाई गई 35 देशों की बैठक में यही बात दोहराई भी गई। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि यह हमारा युद्ध नहीं है। हम इस संघर्ष में नहीं उलझेंगे। यह हमारे राष्ट्रीय हित में नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2022 में स्लोवाकिया के ग्लोबसेक ब्रातिस्लावा फोरम में यूरोप की मानसिकता पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कि यूरोपीय देशों का मानना है कि 'यूरोप की समस्या दुनिया की समस्या है, लेकिन दुनिया की समस्या यूरोप की समस्या नहीं है'। उन्होंने यह भी कहा था कि यूरोप को सोचना चाहिए कि यदि कोई समस्या उसकी है, तो वह उसकी है, लेकिन यदि समस्या मेरी (भारत/एशिया) है, तो वह हमारी (वैश्विक) है। जयशंकर ने याद दिलाया कि एशिया में हुई कई घटनाओं पर यूरोप मूकदर्शक बना रहा है। उनका इशारा भारत के खिलाफ चीन की आक्रामकता की ओर था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर वैश्विक चिंता के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन इस संघर्ष में सीधे शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'यह हमारी लड़ाई नहीं है, और हम इसमें नहीं फंसेंगे।' साथ ही जोड़ा कि रक्षा, सुरक्षा और आर्थिक भविष्य को देखते हुए यूरोप के साथ करीबी संबंध बनाना जरूरी है। होर्मुज संकट पर स्टार्मर ने कूटनीतिक पहल की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन इस हफ्ते के आखिर में उन देशों के साथ एक अहम बैठक की मेजबानी करेगा, जो होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में सहयोग करना चाहते हैं।28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमलों के बाद से मध्य पूर्व में संघर्ष जारी है। ईरान ने बदले की कार्रवाई करते हुए मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मेजबानी करने वाले देशों पर हमले किए हैं। इसके खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व में बड़ी संख्या में सैन्य तैनाती की है और ईरान के खिलाफ लगातार जमीनी सैन्य कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप नाटो देशों, खासकर यूरोप से मध्य पूर्व में ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान का समर्थ करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन, ये देश अमेरिका को सैन्य सहायता देने में संकोच कर रहे हैं। ट्रंप ने यूरोप के इस असहयोग पर नाराजगी जताई है, जिससे नाटो सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ गया है। ट्रंप ने अमेरिका के नाटो से निकालने की भी धमकी दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाटो से बाहर निकलने की संभावित चेतावनी पर भी स्टार्मर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे 'दबाव बनाने की कोशिश' और 'शोर' बताते हुए कहा कि नाटो अब तक का सबसे प्रभावी सैन्य गठबंधन है और ब्रिटेन इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'चाहे कितना भी प्रेशर या शोर हो, मैं हर फैसला अपने देशहित को ध्यान में रखकर ही लूंगा।'

यूपी में आंधी-बारिश पर लगी लगाम,15 दिन मौसम साफ रहेगा,भीषण गर्मी पड़ेगी, पारा 45 डिग्री पार जाएगा; किसानों को राहत

लखनऊ। प्रदेश में एक हफ्ते से जारी आंधी-बारिश और ओलों के सिलसिले पर शुक्रवार से ब्रेक लगने जा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ अब कमजोर पड़ रहा। इससे भयंकर गर्मी पड़ेगी। अगले 15 दिनों तक मौसम साफ रहेगा। बारिश नहीं होगी। पारा 10से. तक उछलकर 45से. के पार पहुंचेगा। 25 से 30 किमी की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। मौसम साफ होने से किसानों को राहत मिलेगी। क्योंकि, गेहूं की कटी पड़ी फसलें भीग गई थीं। तेज धूप होने से फसलें जल्दी सूखेंगी। इससे किसान जल्द से जल्द मड़ाई कर पाएंगे। फसलों के दाने काले पड़ने की आशंका कम होगी। इससे पहले, पिछले 48 घंटों में 50 से अधिक जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। लखीमपुर खीरी में सबसे अधिक 15 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बहराइच में 6 मिमी, कानपुर में 5.4 मिमी और लखनऊ में 4.5 मिमी बरसात हुई। गुरुवार को 35.8से. के साथ जालौन सबसे गर्म रहा। वहीं, बिजनौर में सबसे ठंडी रात रही, यहां पारा 12से. लुढ़क गया। लखनऊ के आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-'आज से पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो जाएगा। इससे अगले 15 दिनों तक मौसम शुष्क (साफ) बना रहेगा। कहीं बारिश की संभावना नहीं है। तापमान 10 डिग्री तक बढ़ सकता है। दिन में गर्मी और तेज धूप का असर फिर से महसूस होगा। रात में भी गर्मी का एहसास होगा।' लखनऊः सुबह से मौसम साफ है। हल्की सर्द हवाओं से ठंड का एहसास हो रहा है। हालांकि, तेज धूप की वजह से दिन बढ़ने के साथ गर्मी अपना असर दिखाएगी। प्रयागराजः प्रयागराज में मौसम साफ है। सुबह से ही तेज धूप निकली है। दिन में तापमान में बढ़ोतरी होगी। हल्की हवाओं की वजह से रात में हल्की ठंड महसूस हुई। वाराणसीः वाराणसी में सुबह से तेज धूप निकली है। हवा बिल्कुल शांत है। शहर का अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया। गाजियाबादः सुबह से धूप खिली है। तेज हवा चल रही है। पिछले 24 घंटे में 2 डिग्री तापमान में बढ़ोतरी हुई है। आज सुबह तापमान 19 डिग्री दर्ज किया गया। मेरठः मौसम साफ है। धूप खिली है। ठंडी हवा चलने से रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। दिन में गर्मी महसूस हो रही है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री तक रह सकता है।

'ईरानी वार्ताकारों के इस्लामाबाद पहुंचने की खबरें गलत',ईरान ने पाकिस्तान में मध्यस्थता बैठक स्थगित करने की बात कही

तेहरान। ईरान ने मीडिया में आ रही उन रिपोर्ट्स को गलत बताया है जिसमें ईरानी वार्ताकारों के इस्लामाबाद पहुंचने की बात कही गई है। ईरान की सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने कहा है 'ईरानी वार्ता दल के इस्लामाबाद में प्रवेश करने की खबरें गलत हैं।' फार्स न्यूज ने बताया है कि कुछ मीडिया आउटलेट्स के ये दावे कि एक ईरानी वार्ता प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए पाकिस्तान के इस्लामाबाद पहुंच गया है वो पूरी तरह से गलत हैं। इसमें आगे कहा गया है 'बातचीत तब तक स्थगित रहेगी जब तक अमेरिका लेबनान में संघर्ष-विराम के संबंध में अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं करता और इजरायली शासन अपने हमले बंद नहीं कर देता।' यानि पाकिस्तान में होने वाली मध्यस्थता बैठक को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। जबकि अमेरिका की तरफ से उप राष्ट्रपति जेडी वेंस के इस बैठक में शामिल होने की संभावना है। फार्स न्यूज ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के हवाले से कहा है 'इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू संघर्ष-विराम का विरोध कर रहे हैं क्योंकि इससे उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। और उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से आग्रह किया कि वे जायोनी शासन को पश्चिम एशिया में युद्ध रोकने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को खतरे में डालने की अनुमति देकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 'तबाह' न करें।' अराघची ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा 'नेतन्याहू का आपराधिक मुकदमा कुछ ही दिनों में फिर से शुरू होने वाला है' और उन्होंने यह भी जोड़ा कि 'पूरे क्षेत्र में युद्धविराम से उनके जेल जाने की प्रक्रिया तेज हो जाएगी।' फार्स न्यूज ने दावा किया कि बुधवार से जब ईरान और अमेरिका ने 40 दिनों से चल रहे युद्ध में लेबनान को शामिल करते हुए 15 दिनों के युद्धविराम की घोषणा की थी तब से जायोनी शासन ने इस अरब देश (लेबनान) के अलग-अलग इलाकों को निशाना बनाया है जिसमें 250 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और 1,100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान ने युद्धविराम पर हुई बातचीत में लेबनान के होने की बात कही थी जबकि अमेरिका और इजरायल दोनों ने इससे इनकार कर दिया था। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा था कि 'लेबनान को लेकर ईरान को गलतफहमी हुई है।' फार्स न्यूज ने कहा है कि 'तेहरान ने साफ कर दिया है कि जब तक लेबनान में पूरी तरह से युद्धविराम लागू नहीं हो जाता तब तक वह वाशिंगटन के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा।' ईरानी राजनयिक ने आगे कहा 'अगर अमेरिका नेतन्याहू को कूटनीति खत्म करने की छूट देकर अपनी अर्थव्यवस्था को तबाह करना चाहता है तो यह आखिरकार उसकी अपनी मर्जी होगी। हमें लगता है कि यह एक बेवकूफी भरा कदम होगा लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं।'

वॉट्सएप आपके प्राइवेट मैसेज पढ़ रहा,मस्क बोले- ये भरोसे लायक नहीं

टेलीग्राम सीईओ ने एन्क्रिप्शन फ्रॉड बताया-कोर्ट से हर्जाने की मांग

वॉशिंगटन। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक इलॉन मस्क और टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव ने वॉट्सएप की प्राइवेसी पर सवाल उठाए हैं। मस्क ने कहा कि वॉट्सएप पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वहीं, डुरोव ने इसे इतिहास का सबसे बड़ा 'एन्क्रिप्शन' फ्रॉड बताया। यह विवाद अमेरिका में वॉट्सएप के खिलाफ दायर एक नए क्लास एक्शन मुकदमे के बाद शुरू हुआ है। यह मुकदमा इसी साल जनवरी में ब्रायन वाई. शीराजी और निदा सैमसन नाम के दो यूजर्स ने कैलिफोर्निया के फेडरल कोर्ट में दायर किया गया था। इसमें मेटा प्लेटफॉर्म्स और एक्सेंचर को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं ने ज्यूरी ट्रायल की मांग की है और कंपनी से हर्जाने की अपील की है।याचिका में दावा किया गया है कि वॉट्सएप अपने यूजर्स के मैसेज को बीच में ही इंटरसेप्ट करता है। इसमें कहा गया है कि मेटा इन मैसेज को एक्सेंचर जैसी तीसरी पार्टियों के साथ शेयर कर रहा है। जबकि कंपनी दावा करती है कि उसके मैसेज 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड' हैं यानी भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई तीसरा इन्हें नहीं पढ़ सकता। इलॉन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए एक्स चैट का इस्तेमाल करने की अपील की और दावा किया कि वहां 'असली प्राइवेसी' मिलती है। वहीं, पावेल डुरोव ने कहा कि वॉट्सएप अरबों यूजर्स को गुमराह कर रहा है। टेलीग्राम ने कभी ऐसा नहीं किया और न ही कभी करेगा। इन गंभीर आरोपों पर मेटा के प्रवक्ता ने कहा कि मुकदमे में किए गए दावे पूरी तरह से झूठे और बेतुके हैं। वॉट्सएप पिछले एक दशक से सिग्नल प्रोटोकॉल का इस्तेमाल कर रहा है। आपके मैसेज भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई और नहीं पढ़ सकता। मस्क और जुकरबर्ग का झगड़ा पुराना-इलॉन मस्क और मार्क जुकरबर्ग के बीच विवाद कोई नया नहीं है। मस्क द्वारा ट्विटर (अब एक्स) खरीदने के बाद जुकरबर्ग ने उसे टक्कर देने के लिए 'थ्रेड्स' लॉन्च किया था। 2025 में मस्क ने अपने एआई चैटबॉट 'ग्रोक' को मेटा एआई से बेहतर बताया था।जून 2023 में मस्क ने जुकरबर्ग को 'केज फाइट' की चुनौती भी दी थी, जिसके जवाब में जुकरबर्ग ने लोकेशन मांगी थी।

नॉलेज बॉक्स : क्या होता है एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन? सरल शब्दों में कहें तो एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन एक ऐसी सुरक्षा तकनीक है जो आपके मैसेज को एक गुप्त कोड में बदल देती है, जिसे सिर्फ भेजने वाला और प्राप्त करने वाला ही पढ़ सकता है। इसके बीच में इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर, हैकर या यहां तक कि सर्विस देने वाली कंपनी (जैसे वॉट्सएप या मेटा) खुद भी आपके मैसेज, फोटो या कॉल को देख या सुन नहीं सकती।

रणवीर सिंह ने कास्टिंग काउच का सामना किया,थिएटर में झाड़ू-पोंछा लगाया, उनकी दोनों धुरंधर की कुल कमाई 3 हजार करोड़ रुपए

मुंबई। बचपन से अमिताभ बच्चन जैसा बनने का सपना देखने वाले रणवीर सिंह का सफर संघर्ष, जुनून और आत्मविश्वास की मिसाल है। फिल्मों में जगह बनाने के दौरान उन्हें कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने समझौता करने से इनकार कर दिया। स्ट्रगल के दिनों में वह पृथ्वी थिएटर में झाड़ू-पोंछा लगाने और छोटे-मोटे

काम करते रहे। इस दौरान उनके पिता ने सपना पूरा करने के लिए घर और गाड़ी बेच दी। लंबी मेहनत के बाद उन्हें बैंड बाजा बारात से बॉलीवुड में डेब्यू मिला, जिससे उन्हें पहचान मिली। उतार-चढ़ाव के बाद 'धुरंधर' ने उनके करियर को नई ऊंचाई पर पहुंचाया और 'धुरंधर' व 'धुरंधर 2' ने मिलकर रु3,000 करोड़ से अधिक की वर्ल्डवाइड कमाई की है। रणवीर सिंह ने एबीपी के साथ बातचीत में बताया था- बचपन से ही मेरा सपना एक्टर बनने का था। मैं अमिताभ बच्चन जैसा बनना चाहता था। उनकी फिल्में जैसे शहंशाह, तूफान और अजूबा देखकर मुझे प्रेरणा मिलती थी। मैं छोटा और थोड़ा मोटा बच्चा था, लेकिन जब कोई पूछता कि बड़े होकर क्या बनोगे, तो मैं बिना सोचे कहता था-'हीरो बनूंगा।' मैं बाकी बच्चों की तरह बाहर खेलने नहीं जाता था। मैं घर में बैठकर वीसीआर पर फिल्में देखता था, म्यूजिक सुनता था और फिल्मी मैगजीन पढ़ता था। मेरी दादी ने मुझे सबसे ज्यादा प्रोत्साहित किया। वह मुझे अमिताभ बच्चन की फिल्में दिखाती थीं और कहती थीं कि तुझे बड़ा होकर इनके जैसा बनना है। वहीं से यह सपना पक्का हो गया। सात साल की उम्र में मैंने पहली बार गार्डन में परफॉर्म किया था। मैंने अमिताभ बच्चन की फिल्म 'हम' के गाने 'जुम्मा चुम्मा' पर डांस किया था। वही मेरा पहला स्टेज अनुभव था। पढ़ाई पूरी करने के बाद मैंने एडवरटाइजिंग कंपनी में कॉपीराइटर के तौर पर काम किया, क्योंकि मुझे लिखने का शौक था। स्कूल में एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, जिसमें हमें प्रोडक्ट के लिए विज्ञापन बनाना था और मैं पहले स्थान पर आया था। मुझे नाम और टैगलाइन सोचने में मजा आया, तभी लगा कि इसे प्रोफेशन बना सकता हूं। फिर पता चला कि यह काम करने वालों को कॉपीराइटर कहते हैं, इसलिए मैंने यह बनने का तय किया। कुछ दिन काम किया, लेकिन दिल नहीं लगा। उसके बाद मैं अमेरिका गया और वहां से एक्टिंग की पढ़ाई करके लौटा, ताकि बॉलीवुड में सपना पूरा कर सकूं। मैं क्लासेस के लिए देर से रजिस्टर कर रहा था, इसलिए ज्यादातर क्लासेस भर चुकी थीं। सिर्फ एक क्लास 'एक्टिंग वन' में एक सीट बची थी। मैंने वही एडमिशन ले ली। पहले दिन प्रोफेसर ने कहा कि उन्हें यह नहीं जानना कि हम कौन हैं या कहां से आए हैं। हर स्टूडेंट को स्टेज पर जाकर गाना, डांस या कुछ और परफॉर्म करना होगा। मैं स्टेज पर गया और मेरे पास बस एक ही चीज थी- फिल्म 'दीवार' का डायलॉग। चार-पांच साल से मैंने एक्टिंग नहीं की थी। कॉलेज और स्कूल में मुझे बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड मिलते थे, लेकिन काफी समय से वो छूट गया था। फिर भी मैंने पूरी ईमानदारी और जज्बे के साथ डायलॉग बोला। क्लास में बैठे अमेरिकन स्टूडेंट्स को मेरी भाषा समझ नहीं आई, लेकिन मेरे इमोशन और एनर्जी ने उन्हें छू लिया। सबने रिएक्ट किया। उन्हें समझ नहीं आया मैं क्या कह रहा हूं, लेकिन कुछ तो था उस परफॉर्मेंस में। फिल्मी बैक ग्राउंड नहीं, फिर भी हीरो बनने की जिद-चार साल अमेरिका में बिताने के बाद 2007 में मैं मुंबई लौट आया। वापस आते ही बचपन का सपना फिर जाग गया कि फिल्मों में हीरो बनना है। यह रास्ता आसान नहीं था, क्योंकि मेरा कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था, लेकिन मैंने ठान लिया था कि मुझे यही करना है। मैं मुंबई के बांद्रा इलाके में पला-बढ़ा हूं, जहां सलमान खान, आमिर खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारे रहते हैं। लेकिन वहां रहना और उनके जैसा बनना अलग बातें हैं।मेरे संघर्ष के शुरुआती दिनों में मेरे दोस्त शाद अली ने मेरा साथ दिया। उस समय वह अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झूम बराबर झूम' कर रहे थे और विज्ञापनों का निर्देशन भी कर रहे थे। मैंने उनसे नौकरी मांगी, तो उन्होंने मुझे असिस्टेंट डायरेक्टर रख लिया। मुझे लगा यह अच्छा मौका है, क्योंकि इससे मैं सेट पर जाकर एक्टर्स और कास्टिंग डायरेक्टर्स से मिल सकूंगा और इंडस्ट्री में पहचान बना सकूंगा। करीब डेढ़ साल तक मैंने असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। इस दौरान मैंने क्राउड कंट्रोल, कास्टिंग और प्री-प्रोडक्शन जैसे कई काम किए। मैं पूरी तरह असिस्टेंट डायरेक्टर की तरह काम कर रहा था। असिस्टेंट डायरेक्टर की नौकरी छोड़ दी-फिर मैंने बड़ा फैसला लिया और असिस्टेंट डायरेक्टर की नौकरी छोड़ दी। डेढ़ साल काम करने के बाद जब मैंने खुद को देखा, तो आंखों के नीचे काले घेरे थे और पेट भी निकल आया था। तब मुझे लगा कि इस हालत में मैं एक्टर नहीं बन पाऊंगा। इसके बाद मैंने पूरा ध्यान फिर से एक्टिंग पर लगाया। यूनिवर्सिटी में थिएटर की पढ़ाई की थी और कुछ नाटक किए थे, लेकिन वह बीच में छूट गया था। अब मैंने दोबारा एक्टिंग सीखनी शुरू की। मुझे लगा कि पश्चिमी ड्रामा की ट्रेनिंग मिल गई है, अब भारतीय एक्टिंग भी सीखनी चाहिए। इसलिए मैंने इंडियन एक्टिंग क्लासेस जॉइन कीं और स्टेज पर काम शुरू किया। शाद अली ने मुझे सलाह दी थी कि फिल्मों में आने से पहले थोड़ा ड्रामा और थिएटर करना चाहिए। उन्होंने कहा-'तेरी वेस्टर्न ट्रेनिंग हो गई है, अब थोड़ी देसी ट्रेनिंग ले ले।' उनकी बात मानकर मैंने किशोर नमित कपूर के एक्टिंग स्कूल में दाखिला लिया। मां की चिता पर रोना था-वहां जो ट्रेनिंग मिली, वो काफी फिल्मी थी। पहले ही टेस्ट में सिचुएशन दी गई- 'मां की चिता पर रोना।' अब सोचो, इससे ज्यादा फिल्मी क्या हो सकता है! रोते-रोते नीचे देखना और फिर ऊपर देखना, आंखों में अंगारे। पूरी तरह फिल्मी स्टाइल में एक्टिंग सिखाई जाती थी। मैं थोड़ा फ्रस्ट्रेट हो गया था। मैंने शाद को मैसेज किया- 'यह कहां भेज दिया आपने? मेरी जो एक्टिंग है, वो भी खराब हो जाएगी।' लेकिन उन्होंने कहा- 'शुरू किया है तो पूरा कर।' मैंने कोर्स पूरा किया, लेकिन लगा कि अब मुझे और रियल, हार्डकोर एक्टिंग सीखनी चाहिए। तभी मैंने तय किया कि थिएटर करना है। इसके बाद मैंने लंबा वक्त पृथ्वी थिएटर में बिताया। मैं रोज सुबह 8 बजे से पहले पहुंच जाता था और रात 11 बजे तक वहीं रहता था। मुझे हिंदी ड्रामा में काम करना था और मैं बाकी स्ट्रगलर्स की तरह वहीं डटा रहता था। मकरंद देशपांडे मुझे देखते ही निकल जाते थे-उन दिनों मैं मकरंद देशपांडे के थिएटर ग्रुप में काम पाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन जैसे ही मैं उनसे मिलने जाता, वो मुझे देखकर निकल जाते थे। शायद उन्हें पहले से पता चल जाता था कि कोई लड़का काम मांगने आने वाला है। फिर मैंने खुद ही रास्ता निकाला। पता चला कि उनके रिहर्सल सुबह 8 बजे शुरू होते हैं, तो मैं 7:30 बजे पहुंच जाता था। कमरे का ताला खोलता, फैन ऑन करता, झाड़ू लगाता और एक्टर्स के लिए चाय-नाश्ता लाता। रिहर्सल में दिव्या जगदाले, निवेदिता भट्टाचार्य और यशपाल शर्मा जैसे कलाकार काम कर रहे थे। मुझे देखकर सब हैरान थे और पूछते थे कि यह लड़का कौन है और किसने बुलाया है। मकरंद सर सोचते थे कि उनके असिस्टेंट ने बुलाया होगा, असिस्टेंट सोचता था कि मकरंद सर ने बुलाया होगा और बाकी लोग समझते थे कि कोई नया बंदा होगा। लेकिन सच यह था कि मैं खुद ही वहां पहुंच जाता था। एक्टर्स के लिए चाय-समोसे लाता था-मैं चुपचाप बैठकर रिहर्सल देखता, एक्टर्स को क्यू देता, चाय-समोसे लाता और जब सब खत्म हो जाता, तो सफाई करता- झाड़ू लगाता, लाइट और फैन बंद करता। सेट तोड़ना, पेंटिंग करना, बढ़ई का काम, कारपेंटर, पेंटर, लोडर और सेट वर्कर जैसे कई काम किए। यही मेरे संघर्ष का सबसे कठिन दौर था। मैं उस समय थिएटर ग्रुप में नौकरी करता था। साल 2008 के आसपास मैं थिएटर में छोटे-मोटे रोल कर रहा था। पृथ्वी थिएटर में 1 साल 8 महीने बिताने के बाद मैंने फिल्मों में किस्मत आजमाने का फैसला किया। उस समय बॉलीवुड में स्ट्रगलर के लिए पोर्टफोलियो या बायोडाटा तैयार करना जरूरी होता है।मैं सिंधी परिवार में पैदा हुआ। मेरे पिता जगजीत सिंह भभनानी ने मेरे सपने के लिए बहुत कुछ दांव पर लगाया। मेरी पढ़ाई और स्ट्रगल के दौरान उन्हें बड़ा घर बेचना पड़ा। हम छोटे घर में शिफ्ट हो गए। उन्होंने अपनी कार बेच दी और बस में सफर करने लगे, सिर्फ इसलिए कि मैं एक दिन फिल्मों में सपना पूरा कर सकूं। मेरे पास पोर्टफोलियो बनवाने के लिए पैसे नहीं थे। फिर भी मैंने आठ महीने मेहनत करके अच्छा पोर्टफोलियो तैयार किया। मैंने बॉडी बनाई, ट्रेनर रखा और सप्लीमेंट्स लिए। यह सब मेरे पिता ने जैसे-तैसे मैनेज किया। मैं हर चीज में बेस्ट चाहता था, चाहे फोटोग्राफर, शूट या प्रिंटिंग हो। प्रिंटिंग के लिए मैं रात 12 बजे से सुबह 8 बजे तक बैठा रहता था, ताकि डिस्काउंट मिल सके। मैं हर पोर्टफोलियो खुद जाकर प्रिंट करवाता था। शुरुआत में मुझे फिल्मों में काम नहीं मिला, लेकिन टीवी से वीजे बनने और विज्ञापनों में मॉडलिंग के ऑफर आने लगे। लेकिन मैंने तय कर लिया था कि मुझे सिर्फ हीरो बनना है, इसलिए मैंने वे सारे ऑफर मना कर दिए। कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा-मेरे स्कूल के एक दोस्त ने, जो खुद भी स्ट्रगल कर रहा था, मुझे एक आदमी से मिलवाया। उसने कहा कि वह काम दिला सकता है। मैंने उसे फोन किया, तो उसने शाम 8 बजे अंधेरी वाले घर आने को कहा। मैं वहां पहुंचा। अंदर जाते ही मुझे अजीब लगा। कमरा छोटा था और दीवारों पर भद्दी पेंटिंग्स और अटपटी बातें लिखी थीं। मैंने उसे पोर्टफोलियो दिया, लेकिन उसने ठीक से देखा नहीं और एक तरफ रख दिया। तभी मुझे समझ आ गया कि कुछ ठीक नहीं है। फिर उसने कहा कि मुझे स्मार्ट और सेक्सी बनना पड़ेगा, तभी आगे बढ़ पाऊंगा। इसके बाद वह गलत बातें करने लगा और मुझसे गलत मांगें करने लगा। तब मुझे साफ समझ आ गया कि यह सही जगह नहीं है। मैंने तुरंत मना किया और वहां से निकल गया। जाते समय उसका रिएक्शन ऐसा था जैसे मैं उसका दिल तोड़कर जा रहा हूं, लेकिन मुझे पता था कि मैंने सही फैसला लिया। लेकिन इंडस्ट्री में एंट्री आसान नहीं थी। 2006-2007 में रिसेशन था, फिल्में कम बन रही थीं, खासकर न्यू कमर्स के लिए। स्ट्रगलिंग एक्टर्स अपने रास्ते खोज रहे थे। मैं भी 8 महीने तक अलग-अलग जगहों पर ऑडिशन देता रहा। अली अब्बास जफर ने यशराज में एंट्री कराई-फिर मेरे दोस्त अली अब्बास जफर ने मेरे लिए रास्ता बनाया। उस समय वे यशराज फिल्म्स में असिस्टेंट डायरेक्टर थे। बाद में उन्होंने मेरे साथ फिल्म 'गुंडे' भी बनाई। मैंने उनसे कहा कि वे मेरे लिए रास्ता बना दें। उन्होंने मेरा पोर्टफोलियो यशराज के वाइस प्रेसिडेंट अक्षय विधानी को दे दिया। मैंने बस यही चाहा था कि कोई मेरा ऑडिशन दिला दे, क्योंकि मुझे भरोसा था कि मौका मिला तो मैं खुद संभाल लूंगा। इसके बाद मैं यशराज की कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा से मिला। शानू ने 16 साल की उम्र में मेरा पार्टी में डांस देखकर कहा था कि तेरे में कुछ बात है। उस समय उन्हें भी नहीं पता था कि वे आगे चलकर कास्टिंग में आएंगी। उन्होंने मुझे मौका दिलाने में मदद की। फिर एक दिन उन्होंने मैसेज करके बताया कि आदित्य चोपड़ा मुझसे मिलना चाहते हैं। यह सुनकर मुझे यकीन नहीं हुआ, क्योंकि मैं सोचता था कि यशराज सिर्फ बड़े स्टार्स के साथ काम करता है। लेकिन उन्होंने कहा कि वे नए चेहरे को लॉन्च करना चाहते हैं और मुझे वाईआरएफ के इन-हाउस कास्टिंग डिवीजन में ऑडिशन देना चाहिए। ऑडिशन में बार-बार नर्वस रहा था -मैं गया, क्योंकि मुझे लगा यही वह मौका है जिसका मैं लंबे समय से इंतजार कर रहा था। शुरू में ऑडिशन मैंने अनुष्का शर्मा के साथ दिया। लेकिन बाद के ऑडिशनों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया, क्योंकि मैं नर्वस हो गया था। फिर आदित्य चोपड़ा ने बुलाकर कहा कि मैं पहली बार बहुत अच्छा लगा था, लेकिन बाद में कमजोर पड़ गया।फिर एक मीटिंग में उन्होंने बताया कि पहले ऑडिशन में ही उन्हें लगा था कि मेरे अंदर कुछ खास है। उन्होंने कहा कि वे मेरे लंबे करियर की संभावना देखते हैं और कुछ बातें याद रखने को कहा। यह सुनकर मैं भावुक हो गया। बाहर आकर रो पड़ा और मम्मी व शानू को फोन किया। आखिरकार मुझे 'बैंड बाजा बारात' के लिए चुन लिया गया। बैंड बाजा बारात 2010 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, लेकिन रणवीर सिंह के जोश और ऊर्जा से भरे अभिनय को दर्शकों और आलोचकों ने सराहा। इसी फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू का अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने लेडीज वर्सेस रिकी बहल और लूटेरा जैसी फिल्मों में अभिनय क्षमता दिखाई। खास तौर पर लूटेरा में उनके अभिनय और अंदाज की तारीफ हुई, हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट नहीं बन पाई। वर्सेटाइल एक्टर के रूप में स्थापित कर दिया-2013 में गोलियों की रासलीलाः राम-लीला ने रणवीर के करियर को नई ऊंचाई दी। यह उनकी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक थी। इस फिल्म में उनकी और दीपिका पादुकोण की केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया और उनकी परफॉर्मेंस ने उन्हें वर्सेटाइल एक्टर के रूप में स्थापित कर दिया। इसके बाद उन्होंने बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी बड़ी फिल्मों में शानदार काम किया। इन फिल्मों ने कमाई के साथ आलोचनात्मक सराहना हासिल की।बार-बार खुद को साबित करने की कोशिश-रणवीर का करियर

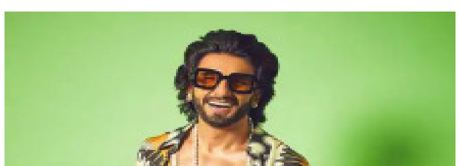

हमेशा लगातार सफलता से भरा नहीं रहा। 2019 के बाद जयेशभाई जोरदार और सर्कस जैसी फिल्मों से उन्हें उतनी बॉक्स ऑफिस सफलता नहीं मिली, जितनी उम्मीद थी। आलोचना के बावजूद उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाकर खुद को बार-बार साबित करने की कोशिश की।कुछ लोगों ने उनके अभिनय को कभी-कभी ओवर-द-टॉप कहा, लेकिन रणवीर ने इन आलोचनाओं को ताकत बनाया और अभिनय में बदलाव लाते रहे।

2025 में रिलीज हुई धुरंधर उनके करियर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। इसके बाद आई 'धुरंधरः द रिवेंज' ने भी उनकी सफलता को आगे बढ़ाया और जबरदस्त कमाई कर रही है। धुरंधर का वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन करीब रु1,354.84 करोड़ रहा है, जबकि धुरंधर 2 ने दुनिया भर में करीब रु1,665.23 करोड़ की कमाई कर ली है और फिल्म अभी भी थिएटर्स में चल रही है।

अरबपति अनंत अंबानी को सलमान-शाहरुख ने पलकों पर बिठाया, स्टार्स का उमड़ा प्यार

मुंबई। अनंत अंबानी ने 10 अप्रैल को जामनगर में भव्य समारोह

आयोजित करके अपना 31वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। आधी रात होते ही फिल्म जगत से अरबपति अंबानी को ढेरों शुभकामनाओं का तांता लग गया, जिनमें बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान और शाहरुख खान सबसे आगे रहे और उन्होंने बर्थडे बॉय को प्यार और शुभकामनाओं से सराबोर कर दिया। सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अनंत के साथ कुछ प्यारी और खुशनुमा तस्वीरें शेयर करते हुए उन्हें अपना छोटा भाई बताया। एक तस्वीर में सलमान अनंत को प्यार से गले लगाते हुए नजर आ रहे हैं। सलमान ने काले रंग की शर्ट और जींस पहनी हुई है। वे अनंत को गले लगाने के लिए झुके हुए हैं, जबकि अनंत आंखें बंद करके मुस्कुरा रहे हैं। तस्वीरें पोस्ट करते हुए सलमान ने लिखा, 'सबसे निस्वार्थ, दयालु इंसान और कई लोगों के लिए प्रेरणास्रोत... मेरे छोटे भाई अनंत को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' सलमान ने कुछ और फोटोज भी पोस्ट कीं, जिसमें वो अनंत के कंधे पर चढ़े हुए थे और दोनों मुस्कुरा रहे थे। फोटो के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा, 'ये बात सुनो अगर याददाश्त कमजोर हो तो लिख लो... ये आदमी देश को भी उठाएगा... मेरे छोटे भाई अनंत जिंदाबाद... दिल और दिमाग का अंबानी, अनंत अंबानी।' शाहरुख खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अनंत को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'अनंत अंबानी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामना आप इसी तरह अच्छे काम करते रहें और सकारात्मकता और सच्चाई को कायम रखें। अपना अच्छा काम जारी रखें और अपने काम से लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाते रहें। ईश्वर आपको हमेशा अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों से नवाजे।

' रणवीर सिंह ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अनंत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। रणवीर ने अनंत के साथ एक मजेदार तस्वीर पोस्ट की और लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो भाई (किस इमोजी)।' संजय दत्त ने भी किया विश-एक्टर संजय दत्त ने भी अनंत के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, 'अनंत मेरे भाई, तुम सबसे दयालु और प्यारे भाई हो जो किसी को भी मिल सकते हैं। मैं महादेव से प्रार्थना करता हूं कि तुम स्वस्थ रहो और अपने सभी कामों में सफल हो। हमेशा खुश रहो और मेरे लिए हमेशा की तरह प्यारे भाई बने रहो। जन्मदिन मुबारक हो, भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें! हर हर महादेव।' अनंत अंबानी 10 अप्रैल को 31 साल के हो गए। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी जामनगर में अपना जन्मदिन मना रहे हैं। शाहरुख खान, सलमान खान, रणवीर सिंह और संजय दत्त सहित बॉलीवुड की कई जानी-मानी हस्तियां भी इस भव्य अवसर पर अंबानी परिवार के साथ जामनगर में मौजूद हैं।

साकिब सलीम बोले- रिजेक्शन एक्टर के डीएनए में है,डेब्यू फिल्म के लिए 7-8 महीने ऑडिशन दिए

मुंबई। वेब सीरीज 'कप्तान' को लेकर साकिब सलीम चर्चा में हैं। उन्होंने किरदार, तैयारी और एक्टिंग प्रोसेस साझा किया। वे

प्रोजेक्ट चुनने से पहले स्क्रिप्ट और डायरेक्टर का विजन समझते हैं। 'कप्तान' में किरदार को रियल बनाने के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन के साथ ह्यूमर और इंसानी कमजोरियां जोड़ीं। उन्होंने फिल्म '83' के 6 महीने के क्रिकेट ट्रेनिंग एक्सपीरियंस को करियर का खास फेज बताया। साथ ही शुरुआती दिनों, यश राज फिल्म्स के साथ डेब्यू और ऑडिशन स्ट्रगल पर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी वे सीखने और खुद को बेहतर बनाने में विश्वास रखते हैं। पेश हैं साकिब सलीम से बातचीत के प्रमुख अंश-सवालः 'कप्तान' को लेकर रोल चुनने का प्रोसेस क्या है? जवाबः मैं पहले स्क्रिप्ट पढ़ता हूं। कहानी समझ आए और मजा आए, तभी करता हूं। फिर डायरेक्टर के विजन के अनुसार खुद को ढालता हूं। मेरा मानना है कि हर फिल्म और शो का प्रोसेस अलग होता है, क्योंकि हर डायरेक्टर की सोच अलग होती है। सवालः 'कप्तान' में आपके किरदार 'समर' को लेकर आपने क्या इनपुट दिए? जवाबः मेरा एक ही फीडबैक था कि किरदार सिर्फ सीरियस या हीरोइक ना लगे। उसमें ह्यूमर और इंसानी कमजोरियां भी होनी चाहिए। हमने कोशिश की कि वह एक रियल इंसान लगे, जो गलतियां भी करता है और उनसे सीखता भी है। सवालः इस रोल के लिए कितनी तैयारी की? जवाबः काफी मेहनत की। करीब 7-8 किलो वजन कम किया। किरदार एनकाउंटर स्पेशलिस्ट का है, जो हमेशा फील्ड पर रहता है, इसलिए फिटनेस और एजिलिटी जरूरी थी।सवालः आपने कहा कि हर प्रोजेक्ट का प्रोसेस अलग होता है, क्या आप कोई उदाहरण देना चाहेंगे? जवाबः कबीर खान की फिल्म '83' का प्रोसेस अलग था। उन्होंने 6 महीने तक सिर्फ क्रिकेट खेलने को कहा। एक्टिंग बाद में, पहले टीम बनानी थी। यह मेरे करियर का यूनिक अनुभव था। सवालः '83' में क्या चुनौती रही? जवाबः सबसे बड़ी चुनौती थी कि पुरानी स्टाइल भूलनी पड़ी। मोहिंदर अमरनाथ की तरह खेलना, उनका चलना और बैटिंग स्टाइल सीखना था। जो चीज पहले से आती है, उसे भूलकर नई चीज सीखना मुश्किल होता है। सवालः आपका एक्टिंग करियर कैसे शुरू हुआ? जवाबः मेरी शुरुआत दिलचस्प रही। मैं एक दोस्त के साथ ऑडिशन देने गया था, उसका नहीं हुआ और मेरा हो गया। पहला काम एक ऐड में मिला, जिसके लिए 25 हजार रुपए मिले। मैं टाइमपास के लिए गया था। शाम को फोन आया कि आप सिलेक्ट हो गए हैं, 25 हजार का बजट है। मैं घबरा गया और बोला कि मेरे पास 25 हजार नहीं हैं देने के लिए, लगा मुझे पैसे देने पड़ेंगे। फिर उन्होंने हंसकर कहा कि आपको पैसे मिलेंगे।अगर पहला ऐड नहीं मिलता, तो मैं दिल्ली जाकर फैमिली बिजनेस संभालता। मैं पापा से कहकर आया था कि एक साल खुद को एक्सप्लोर करना चाहता हूं। थोड़ा झूठ बोला, क्योंकि सीधे बोलता तो शायद मानते नहीं। उसी साल फिल्म मिल गई, फिर उन्हें मनाने की जरूरत नहीं पड़ी। सवालः डेब्यू फिल्म कैसे मिली?जवाबः लंबा ऑडिशन प्रोसेस चला। यश राज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने 7-8 महीने तक अलग-अलग सीन करवाए। कभी गाना, कभी एक्टिंग। ऐसा लगा जैसे वर्कशॉप चल रही हो। फिर यश राज फिल्म्स की 'मुझसे फ्रेंडशिप करोगे' मिली। मैं खुद को लकी मानता हूं कि शुरुआत इतनी बड़ी कंपनी के साथ हुई। सवालः करियर का सबसे बड़ा चैलेंज क्या रहा? जवाबः मैं हंसते-बोलते रहता हूं, इसलिए कई बार लोग सीरियसली नहीं लेते। उन्हें मेरी मेहनत नहीं दिखती। अब सीख लिया है कि लोगों का परसेप्शन बदलने की कोशिश नहीं करनी, बस काम ईमानदारी से करना है। सवालः इतने सालों के करियर में इंस्पिरेशन कहां से मिलती है? जवाबः मैं हर किसी से सीखता हूं। मैंने सलमान खान, रणवीर सिंह, वरुण धवन, तापसी पन्नू और रानी मुखर्जी जैसे कलाकारों के साथ काम किया है। सभी से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। सवालः क्या अब भी आप ऑडिशन देने के लिए तैयार रहते हैं? जवाबः बिल्कुल। अगर मुझे किसी फिल्ममेकर के साथ काम करना है, तो मैं खुद जाकर ऑडिशन देने को तैयार हूं। रिजेक्शन से डरना नहीं चाहिए, यह एक्टर के काम का हिस्सा है। सवालः लेकिन कई एक्टर्स रिजेक्शन से डरते हैं, आप इसे कैसे देखते हैं? जवाबः देखिए, रिजेक्शन एक्टर के डीएनए में होता है। हमें इसे पर्सनली नहीं लेना चाहिए। कई बार रोल आपके लिए नहीं होता, इसका मतलब ये नहीं कि आप अच्छे एक्टर नहीं हैं। मैं तो आज भी ऑडिशन देने में शर्माता नहीं हूं, क्योंकि यही हमारे काम का हिस्सा है। सवालः बढ़ती एक्सपेक्टेशंस और प्रेशर को कैसे हैंडल करते हैं? जवाबः मैं अपना बेस्ट देने पर ध्यान देता हूं। लोगों की सोच कंट्रोल नहीं कर सकता, लेकिन अपनी मेहनत और ईमानदारी को कंट्रोल कर सकता हूं। आजकल कई बार गलत जानकारी भी फैलती है, इसलिए उससे बचना जरूरी है। सवालः आज के समय में सोशल मीडिया और इंफॉर्मेशन ओवरलोड को कैसे देखते हैं? जवाबः आज बहुत ज्यादा इंफॉर्मेशन है, लेकिन सही से ज्यादा गलत फैल रही है। सबको सबसे पहले खबर देनी है, इसलिए कई बार सही जानकारी नहीं आती। मैं कोशिश करता हूं कि इस शोर से थोड़ा दूर रहूं। सवालः अगर मौका मिले तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगे? जवाबः मैं विराट कोहली की बायोपिक करना चाहूंगा। मुझे क्रिकेट बहुत पसंद है और लोग भी कहते हैं कि मैं यह रोल कर सकता हूं। सवालः आपको किस तरह की किताबें पढ़ना पसंद है? जवाबः मुझे स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी की किताबें पढ़ना पसंद है। जैसे युवराज सिंह, शेन वॉर्न, क्रिस गेल और आंद्रे अगासी की किताबें पढ़ी हैं। मुझे लोगों के अनुभव जानना अच्छा लगता है। सवालः आपके लिए सबसे बड़ी सफलता क्या है? जवाबः मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है कि मैं 15 साल से इंडस्ट्री में हूं। मेरे माता-पिता और बहन मेरे साथ हैं, यही सबसे बड़ी बात है। बाकी जो मिल रहा है, वह बोनस है।

मूवी रिव्यू

'डकैत एक प्रेम कथा':मृणाल ठाकुर की दमदार एक्टिंग, लेकिन कमजोर स्क्रीनप्ले; जानिए कैसी है फिल्म

मुंबई। 'डकैतः एक प्रेम कथा' एक ऐसी फिल्म है जो शुरुआत में लव स्टोरी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे इमोशनल और गहरी कहानी में बदल जाती है। डायरेक्टर शनेल देव ने इसमें रिश्तों, हालात और फैसलों के असर को दिखाने की कोशिश की है। फिल्म का ट्रीटमेंट थोड़ा अलग रखने की कोशिश की गई है, जहां कहानी सीधी न होकर परतों में आगे बढ़ती है। हालांकि, यह अंदाज हर दर्शक को पूरी तरह बांध पाए, ऐसा जरूरी नहीं। फिल्म की कहानी कहानी हरि, यानी अदिवि शेष और सरस्वती उर्फ जूलियट, यानी मृणाल ठाकुर के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। यह एक ऐसा रिश्ता है, जो प्यार से शुरू होकर धोखे और हालातों में टूट जाता है। दोनों अलग-अलग बैकग्राउंड से आते हैं और एक-दूसरे से प्यार करते हैं, लेकिन यही रिश्ता

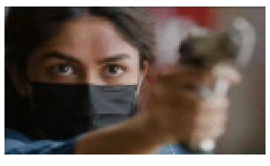

उनके लिए परेशानी बन जाता है। एक झूठ और हालातों के दबाव में सरस्वती की गवाही, हरि को जेल पहुंचा देती है। सालों जेल में रहने के बाद हरि बाहर निकलता है। अब उसका मकसद सिर्फ आजादी नहीं है, बल्कि अपने अतीत से हिसाब बराबर करना भी है। इसके लिए वह देश छोड़कर भागने की योजना बनाता है और उसे पैसों की जरूरत होती है।इसी बीच हरि की मुलाकात फिर से सरस्वती से होती है। अब वह एक अलग जिंदगी जी रही है और खुद भी बड़ी मजबूरी में फंसी हुई है। हालात ऐसे बनते हैं कि दोनों को साथ आना पड़ता है। वे मिलकर एक बड़ा और जोखिम भरा कदम उठाने का फैसला करते हैं। यहीं से कहानी नया मोड़ लेती है। प्यार, बदला और मजबूरी तीनों एक साथ टकराते हैं। फिल्म इसी टकराव के जरिए दिखाती है कि वक्त और हालात कैसे रिश्तों को बदल देते हैं और कैसे कुछ फैसले पूरी जिंदगी की दिशा बदल देते हैं। फिल्म में एक्टिंग-फिल्म में अदिवि शेष हर सीन में पूरी तरह नजर आते हैं। उन्होंने अपने किरदार को अलग बनाने की कोशिश की है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।